सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" अच्छे रिश्तों को वादे और शर्तों की जरुरत नहीं होती, बस दो खूबसूरत लोग चाहिए, एक निभा सके और दूसरा समझ सके "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–82 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, रविवार 12 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

पंडित माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान, मीडिया इंडस्ट्री और अकादमिक जगत में विमर्श जरुरी –अच्युतानंद

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

आजादी से पहले और बाद की पत्रकारिता के मूल्यों में व्यापक बदलाव आए हैं। आज पत्रकारिता में लोकहित की तुलना में महत्वकांक्षाएं हावी हैं। पूर्व की पत्रकारिता में नैतिक स्तर उच्च कोटि का था। वह दौर और उस दौर के लोग अद्भुत थे। पंडित माखनलाल चतुर्वेदी ने उसी दौरान देश की राजनीति, साहित्य, संस्कृति और सभ्यता को अपनी तेजस्वी पत्रकारिता से ऊपर उठाने का काम किया। वे केवल एक पत्रकार ही नहीं बल्कि एक योद्धा और विलक्षण संत थे। एक ऐसे योद्धा संपादक जिन्हें सब प्यार करते थे और जिनकी बातें भी सब मानते थे। उक्त बात वरिष्ठ पत्रकार और संपादक तथा एमसीयू के पूर्व कुलगुरु श्री अच्युतानंद मिश्र ने कही। वे माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति व्याख्यान में बतौर अतिथि वक्ता बोल रहे थे।

उन्होंने बताया कि उस दौर का कोई ऐसा बड़ा नेता साहित्यकार और पत्रकार नहीं होगा जो उनसे

मिलने उनके छोटे से गाँव बावाई और कर्मस्थली खंडवा न गया हो। उनके अनुसार माखनलाल जी ने स्वयं तो आदर्श पत्रकारिता की ही बल्कि उस समय के कई पत्रकार–संपादकों ने भी उनकी प्रेरणा और सानिध्य से देश की राजनीति, भाषा और साहित्य के उत्थान का काम किया।

उन्होंने श्री चतुर्वेदी के समकालीन माधवराव सप्रे, महावीर प्रसाद द्विवेदी, कल्याण पत्रिका के संपादक हनुमान प्रसाद पोद्दार का भी सम्मान से जिक्र किया और सभागार में उपस्थित नवागत पत्रकारों को उनके बारे में पढ़ने व प्रेरणा लेने के लिए कहा।

ह्यपुष्प की अभिलाषाह्न कविता का मर्म समझने का आग्रह करते हुए भावुकता से कहा कि सोचिए उस कल्पना के बारे में जो उस पथ पर फेंक देने का आग्रह करती है जहाँ वीर सैनिक मातृभूमि पर अपना शीश चढ़ाने जा रहे हैं आज वह कविता इसीलिए कालजयी है क्योंकि देशके प्रति गहन भाव से उपजी है। ह्यकल्याणह्न पत्रिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि आज भी वह पत्रिका बिना विज्ञापन और पुस्तक समीक्षा के निकलती है। अपनी बात कितनी प्रखरता से रखी जा सकती है वह हम उस युग के कलम के सिपाहियों से सीख सकते हैं.माखनलाल जी सत्य और न्याय के प्रबल पक्षधर थे।

श्री श्रीवास्तव ने कहा कि शब्द जब सत्य से उत्पन्न होता है तब वह तोप से भी ज्यादा असरकारी होता है। माखनलाल जी जब जब जेल से आए तब तब और अधिक धारदार होकर आए जैसे सोना तपकर निखरता है। अंग्रेज सरकार की उस समय की सागर जिले में कसाई खाने की परियोजना माखनलाल जी के तीखे संपादकीय के प्रभाव से बंद हुई।

पत्रकारिता पढ़ने और पढ़ाने की सख्त जरुरत–श्रीवास्तव

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रख्यात लेखक एवं विचारक मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि माखनलाल जी ने पत्रकारिता की विद्यापीठ की परिकल्पना की थी। जिस दौर में पत्रकारिता को शस्त्र की तरह इस्तेमाल किया जाने लगा था उस समय उन्होंने उसे शास्त्र माना और इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारिता पढ़ने और पढ़ाने की सख्त जरुरत है। वे उस युग के प्रखर और दमदार पत्रकार बने जब अखबार छापना ही देशद्रोह माना जाता था। भारत की भाषा, विनय और अस्मिता को लेकर वे सजग थे। तिलक और गांधी की दो धाराओं से गुजरते हुए हमें माखनलाल जी को समझना होगा। उन्होंने तिलक से तेज, ओज और आक्रामकता ली जबकि गांधी से विनम्रता, नैतिकता और सौजन्यता ग्रहण की। वे इन दोनों धाराओं के संगम पर खड़े थे।

आरंभ में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्वागत उद्बोधन दिया और मिश्र जी के सम्मान में कहा कि आज जिस परिसर में हम बैठे हैं उसका सपना जिन आँखों ने देखा था वे आज हमारे बीच हैं। श्री मिश्र जी की इस विश्वविद्यालय के विकास में अहम्भूमिका है। हम विश्वास दिलाते हैं कि इस विरासत को हम सहेज कर रखेंगे। साढ़े तीन दशक की यात्रा में जिन ऊंचाई को हम छू रहे हैं वह परम्परा मिश्र जी ने आरंभ की है।

इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों द्वारा तैयार विकल्प समाचार पत्र का विमोचन भी हुआ। सीएसआर के तहत एमपी आनलाइन ने विश्वविद्यालय को एक ई–रिक्शा भेंट किया। इसका शुभारंभ भी अतिथियों ने किया। आभार कुलसचिव पी. शशिकला ने माना और सुंदर संचालन संस्कृतिकर्मी विनय उपाध्याय ने किया। विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर, विद्यार्थी, कमचारी और अधिकारी उपस्थित रहें। शहर के गणमान्य अतिथि भी इस आयोजन में शामिल हुए।

महिला आरक्षक की संदिग्ध मौत, घर में फंदे से लटकी मिली लाश

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस विभाग को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। आजाद चौक थाना क्षेत्र स्थित पुलिस कॉलोनी में महिला आरक्षक पूजा कुशवाहा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव क्वार्टर के अंदर फांसी के फंदे पर लटका मिला, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार रात करीब 8:30 बजे पूजा कुशवाहा का शव उनके क्वार्टर में फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही आजाद चौक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मामला आत्महत्या का है या इसके पीछे कोई साजिश है। पुलिस दोनों ही पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। मामले की सच्चाई तक पहुंचने के लिए पुलिस मृतका के परिजनों और सहकर्मियों से भी पूछताछ कर रही है। उनके निजी और पेशेवर जीवन से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। इस घटना ने पुलिस विभाग के भीतर भी चिंता बढ़ा दी है और कई सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनके जवाब अब जांच के बाद ही सामने आएंगे।

तीन साल बाद एमएमएस मामले में बयान देने थाने पहुंचे देवेन्द्र यादव

देवेन्द्र ने कहा–पुलिस जांच में देरी, थाना प्रभारी का जवाब आधा दर्जन नोटिस पहले भी भेजे

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

तीन साल पुराना एमएमएस कांड एक बार फिर सुर्खियों में है। शनिवार को भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव भिलाई नगर थाने पहुंचे और पुलिस को अपना फोटो-वीडियो सैंपल दिया। थाने से बाहर निकलकर विधायक ने आरोप लगाया कि पुलिस जानबूझकर जांच में देरी कर रही है। वहीं थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा ने कहा कि इससे पहले भी आधा दर्जन से ज्यादा नोटिस भेजे जा चुके हैं।

तीन साल पुराना मामला

2023 विधानसभा चुनाव के दौरान एक एमएमएस वायरल हुआ था, जिसमें एक युवक–युवती आपत्तिजनक स्थिति में दिख रहे थे। उस समय भाजपा नेताओं ने दावा किया था कि वीडियो में दिखने वाला व्यक्ति विधायक देवेंद्र यादव है। विधायक ने तब प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसे छवि खराब करने वाला झूठा वीडियो बताया और भिलाई नगर थाने में एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

9वें नोटिस पर पहुंचे थाना

थाना अधिकारियों के मुताबिक विधायक को बयान के लिए यह 9वां नोटिस था। इससे पहले 8 नोटिस भेजे गए, पर वे उपस्थित नहीं हुए। शनिवार को करीब आधे घंटे थाने में रहने के बाद विधायक ने पुलिस को फोटो और वीडियो सैंपल दिए, जिन्हें जांच के लिए सुरक्षित कर लिया गया है।

विधायक का आरोप : नोटिस देर से मिला

विधायक देवेंद्र यादव ने कहा, पिछले सप्ताह डाक से नोटिस मिला, जिसमें सुबह 11 बजे थाने पहुंचने को कहा गया था। लेकिन नोटिस मुझे दोपहर 1 बजे प्राप्त हुआ। एफआईआर मैंने खुद कराई थी, पर 3 साल बाद भी जांच पूरी नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है। यदि यह किसी साजिश का हिस्सा है तो शामिल लोगों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई हो।

उन्होंने राज्य और केंद्र की डबल इंजन सरकार पर भी निशाना साधा और कहा, अन्य नेता के मामले में सीबीआई जांच हो सकती है तो मेरे मामले में भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। हम हर सहयोग के लिए तैयार हैं। चुनाव के समय इस वीडियो से भ्रम फैलाकर छवि खराब करने की कोशिश की गई थी।

पुलिस का पक्ष : देरी नहीं, आधा दर्जन नोटिस भेजे

भिलाई नगर थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा ने विधायक के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा, जांच में कोई देरी नहीं की जा रही। विधायक को इसके पहले भी आधा दर्जन से ज्यादा नोटिस भेजे जा चुके हैं। अब उनका बयान और सैंपल लिया गया है, विवेचना आगे बढ़ाई जा रही है।

विधानसभा में भी उठा मुद्दा

इस मामले को विधानसभा में भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने उठाया था। गृह मंत्री विजय शर्मा ने सदन में बताया था कि दुर्ग एसपी ने पेन ड्राइव को राष्ट्रीय फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, गांधीनगर भेजा था। तुलनीय मानकों के अभाव में कोई निश्चित राय नहीं बन सकी है। अभी कई बयान लेने बाकी हैं, उसके बाद जांच पूरी होकर स्थिति स्पष्ट होगी, गृह मंत्री ने कहा था। फिलहाल पुलिस ने विधायक के सैंपल सुरक्षित कर लिए हैं और कहा है कि सभी पक्षों के बयान के बाद ही जांच निष्कर्ष तक पहुंचेगी। एमएमएस कांड एक बार फिर भिलाई की सियासत के केंद्र में आ गया है।

पत्रकारवार्ता : पूर्व सभापति अरोरा का पलटवार, बोले- घड़ियाली आंसू और राजनैतिक नौटंकी कर रहे देवेन्द्र

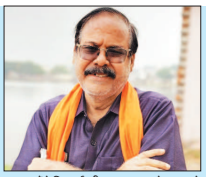

नगर निगम भिलाई के पूर्व सभापति एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र अरोरा ने आज आयोजित प्रेस वार्ता में विधायक देवेंद्र यादव पर एमएमएस प्रकरण को लेकर तीखा हमला बोलते हुए पूरे मामले को संदेहास्पद बताया और निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि विधायक इस मुद्दे पर केवल घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं, जबकि यदि उन्हें वास्तव में जांच एजेंसियों पर भरोसा होता तो वे समय पर पुलिस के समक्ष उपस्थित होकर अपना बयान दर्ज कराते और अपनी कथित जांच रिपोर्ट भी प्रस्तुत करते।

राजेंद्र अरोरा ने बताया कि पुलिस द्वारा लगातार आठ बार नोटिस दिए जाने के बावजूद विधायक का बयान के लिए उपस्थित न होना कई सवाल खड़े करता है, जबकि वे नौवें नोटिस पर जाकर बयान देने पहुंचे। उन्होंने इसे जांच प्रक्रिया के प्रति गंभीरता की कमी बताया। साथ ही उन्होंने यह भी प्रश्न उठाया कि जिस जांच रिपोर्ट के आधार पर विधायक ने एमएमएस को फर्जी बताया, वह जांच आखिर कहां और किस एजेंसी से कराई गई तथा उसकी प्रमाणिकता क्या है। प्रेस वार्ता के दौरान राजेंद्र अरोरा ने आरोप लगाया कि पूरे घटनाक्रम में एक सुनियोजित रणनीति नजर आती है, जिसमें पहले स्वयं एक कहानी गढ़ी गई, फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सहानुभूति बटोरने का प्रयास किया गया और बाद में राजनीतिक विरोधियों पर आरोप मढ़े गए। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी ने भी विधायक पर प्रत्यक्ष आरोप नहीं लगाया था, इसके बावजूद इसे अनावश्यक रूप से बड़ा मुद्दा बनाया गया।

उन्होंने भिलाई की जनता का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के लोग बेहद समझदार हैं और इस प्रकार की राजनीतिक गतिविधियों को अच्छी तरह समझते हैं। राजेंद्र अरोरा ने यह भी आरोप लगाया कि विधायक का शहर की जनता से सीधा जुड़ाव पिछले कुछ वर्षों में कम हुआ है और वे स्थानीय मुद्दों से दूर रहे हैं। इसी क्रम में राजेंद्र अरोरा ने कहा कि यह वीडियो/सीडी चुनाव के लगभग तीन महीने पहले ही बाजार में घूम रही थी, उस समय प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और स्वयं देवेंद्र यादव विधायक थे। यदि उन्हें इस पर संदेह था, तो उन्होंने उसी समय अपनी ही सरकार में रहते हुए जांच क्यों नहीं करवाई? उन्होंने सवाल उठाया कि विधायक स्वयं स्वीकार कर चुके हैं कि उन्होंने यह वीडियो देखी थी—तो यह वीडियो उन्हें किसने दिखाई और उन्हें यह जानकारी कैसे मिली कि यह भिलाई में प्रसारित हो रही है?

अरोरा ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान स्वयं देवेंद्र यादव ने प्रेस वार्ता कर इस वीडियो की जानकारी भिलाई के लोगों तक पहुंचाई। जिन लोगों को इस विषय की जानकारी नहीं थी, उनके बीच भी यह मुद्दा इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के माध्यम से फैलाया गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद विधायक ने सार्वजनिक रूप से भावुकता दिखाते हुए सहानुभूति बटोरने का प्रयास किया और प्रेस वार्ता में एक कथित जांच रिपोर्ट लहराते हुए दावा किया कि उन्होंने वीडियो की जांच करवाई है, जिसमें उन्हें क्लीन चिट मिल चुकी है और उनकी छवि धूमिल करने की साजिश की जा रही है। राजेंद्र अरोरा ने कहा कि इसके बाद स्वयं विधायक द्वारा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराकर वही वीडियो जांच के लिए सौंपा गया, जो पूरे घटनाक्रम को और अधिक संदिग्ध बनाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा घटनाक्रम अपनी राजनीतिक साख बचाने के लिए समय-समय पर रची जाने वाली नौटंकी का हिस्सा है।

अरोरा ने कहा कि भिलाई जैसे शांत और जागरूक शहर में इस प्रकार की गंदी राजनीति पहले कभी देखने को नहीं मिली, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अंत में राजेंद्र अरोरा ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष और शीघ्र जांच कर सच्चाई को सामने लाया जाए। उन्होंने कहा कि एमएमएस में दिखाई देने वाली महिला की पहचान कर उसका बयान लिया जाना आवश्यक है, जिससे पूरे मामले की वास्तविकता स्पष्ट हो सके। यदि यह प्रकरण चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से किया गया है, तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि जांच एजेंसियां निष्पक्षता के साथ कार्य करते हुए जल्द ही सच्चाई सामने लाएंगी।

इस्पात सचिव का दौरा : उत्पादन, लागत और भविष्य की रणनीति पर दिया खास जोर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारत सरकार के इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक (आईएएस) ने 11 अप्रैल 2026 को अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संयंत्र की कार्यप्रणाली, उत्पादन क्षमता और भविष्य की योजनाओं का गहन अवलोकन किया। दौरे के दौरान उनके साथ सेल के निदेशक (कार्मिक) एवं अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) कृष्ण कुमार सिंह तथा इस्पात मंत्रालय के संयुक्त सचिव अभिजीत नरेंद्र भी मौजूद रहे।

भिलाई पहुंचने पर इस्पात सचिव को सीआईएसएफ जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस्पात भवन में आयोजित बैठक में सचिव ने संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में उत्पादन प्रदर्शन, तकनीकी–आर्थिक मानक, उत्पाद मिश्रण, वित्तीय स्थिति और लागत नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श हुआ।

रावघाट परियोजना पर कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार ने प्रस्तुति दी, वहीं संयंत्र की समग्र स्थिति पर जनसंपर्क विभाग की ओर से विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने प्रबंधन को भविष्य के लिए बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और स्थायी लागत में कमी लाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए तकनीकी सुधार और दक्षता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

संयंत्र का निरीक्षण, प्रोजेक्ट साइट का लिया जायजा

दौरे के दौरान सचिव ने सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र का निरीक्षण किया, जहां उन्हें सुरक्षा मानकों की जानकारी दी गई। इसके बाद उन्होंने कोक ओवन बैटरी नंबर–8 प्रोजेक्ट साइट का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। संयंत्र भ्रमण के अंत में इस्पात सचिव ने अधिकारियों के साथ गार्ड ऑफ ऑनर समारोह में भाग लिया और इसके पश्चात रायपुर के लिए रवाना हो गए। यह दौरा भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिससे आने वाले समय में उत्पादन और प्रबंधन के स्तर पर बड़े बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है।

आर्य समाज का जीवन मंत्र कार्यक्रम : सत्य से जुड़ो—जीवन अपने आप संवर जाएगा : डॉ. आर्य

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आर्य समाज वैदिक शिक्षा समिति द्वारा आयोजित एक सशक्त एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम में आचार्य डॉ. अजय आर्य ने अपने ओजस्वी, सहज एवं प्रवाहपूर्ण उद्बोधन से उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन समिति के प्रमुख लोकेश आर्य, मलखम वर्मा, रोहित उपेन्द्र आर्य, पंडित किशन आर्य, पंडित राकेश दुबे एवं पंडित सुशील स्वामी के समन्वित प्रयासों से सम्पन्न हुआ। सुशील स्वामी ने वैदिक यज्ञ का आयोजन कराया।

वेद का संदेश—जीवन जीने की कला अपने उद्बोधन में आचार्य डॉ. अजय आर्य ने के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने समाज को केवल धार्मिक मार्ग नहीं, बल्कि जीवन जीने की सही कला सिखाई। उन्होंने कहा—"सत्य को ग्रहण करो, असत्य को छोड़ो"—यह वाक्य जीवन का सबसे सरल और सबसे कठिन नियम है; सरल इसलिए क्योंकि समझ में आता है, कठिन इसलिए क्योंकि हम उसे अपनाना नहीं चाहते। उम्र भर ग़ालिब यही भूल करता रहा धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा। स्वयं को साफ कीजिए। उन्होंने वैदिक प्रार्थना— "असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय"— का अर्थ समझाते हुए कहा—मनुष्य हर दिन यही चाहता है कि उसका जीवन सुधरे, लेकिन बिना अपने विचार बदले वह परिवर्तन संभव नहीं। अंधकार को कोसने से बेहतर है एक दीप जलाना, यही वेद का संदेश है।

एक सटीक दृष्टांत प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा—एक व्यक्ति आईने के सामने खड़ा होकर बोला—मेरा चेहरा गंदा है, इसका मतलब आईना खराब है! जबकि समस्या आईने में नहीं, स्वयं में थी। इसी प्रकार हम अपनी गलतियों का दोष समाज, परिस्थिति या भाग्य पर डालते हैं, जबकि सुधार स्वयं से प्रारंभ होता है।

व्यंग्य में छिपा जीवन का सत्य अपने उद्बोधन को जीवंत बनाते हुए आचार्य जी ने कहा- आज का मनुष्य सफलता चाहता है, पर प्रयास नहीं; सम्मान चाहता है, पर व्यवहार नहीं और ज्ञान चाहता है, पर अध्ययन नहीं। यह सुनकर सभा में हल्की मुस्कान के साथ गहरा आत्ममंथन भी हुआ। एक चुटीले अंदाज में उन्होंने कहा- एक युवक बोला—मुझे जीवन में शांति चाहिए। उत्तर मिला—मोबाइल का साइलेंट मोड ही काफी नहीं, मन का विचार मोड भी बदलना पड़ेगा!

इस पर सभागार में ठहाके गूंज उठे, लेकिन साथ ही यह संदेश भी स्पष्ट हुआ कि बाहरी नहीं, आंतरिक परिवर्तन ही वास्तविक शांति देता है। सफल जीवन के सूत्र पर उन्होंने अत्यंत प्रभावी शैली में कहा- सफलता का कोई रहस्य नहीं है- समय पर उठो, सत्य बोलो, और अपने कर्तव्य को टालो मत। जो काम आज करना है, उसे कल कहने की आदत ही असफलता की जड़ है। एक और व्यंग्यपूर्ण प्रसंग में उन्होंने कहा—हम सब चाहते हैं कि जीवन में रिजल्ट अच्छा आए, लेकिन इनपुट देने के समय हम छुट्टी पर चले जाते हैं! यह कथन उपस्थित जनसमूह के लिए गहरी सीख बन गया।

आर्य समाज—विचार नहीं, जागरण है आचार्य डॉ. अजय आर्य ने स्पष्ट किया कि आर्य समाज का उद्देश्य केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर विवेक, साहस और सत्यनिष्ठा का निर्माण करना है। उन्होंने आह्वान किया कि हर व्यक्ति अपने भीतर के अंधकार को पहचानकर ज्ञान का दीप जलाए, यही सच्ची आर्य परंपरा है। समापन कार्यक्रम का समापन वैदिक मंत्रोच्चार एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उपस्थित जनसमूह ने संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में सत्य, अनुशासन और वैदिक विचारों को अपनाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनेंगे।

खास खबर

सूचना के अधिकार और जैविक खादों के उपयोग पर दिया संभाग स्तरीय प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

क्षेत्रीय कृषि प्रसार एवं प्रशिक्षण संस्थान रुआबांधा, दुर्ग में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 तथा हरी खाद, नील-हरी शैवाल एवं जैव उर्वरकों पर एक दिवसीय संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त शिरिष चंद्र मिश्रा ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अधिनियम शासन में पारदशिर्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने जनसूचना अधिकारियों और प्रथम अपीलीय अधिकारियों को आवेदकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सदैव सजग रहने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग की अवर सचिव श्रीमती गीता दीवान और मास्टर ट्रेनर अतुल वर्मा ने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से सूचना प्रदाय की ऑनलाइन प्रक्रिया, शुल्क भुगतान और अधिनियम के संशोधित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। संयुक्त संचालक कृषि श्रीमती गोपिका गबेल ने अधिकारियों को रिकॉर्ड्स का व्यवस्थित संधारण करने और आवेदनों के त्वरित निराकरण की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण अधिकारियों को अपनी जानकारी अपडेट करने और शंकाओं के समाधान का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। द्वितीय सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र पाहंदा के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को रासायनिक उर्वरकों के विकल्प के रूप में हरी खाद, नील-हरी शैवाल और जैव उर्वरकों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। वैज्ञानिकों ने बताया कि जीवामृत, बीजामृत और नैनो यूरिया जैसे विकल्प फसलों की पोषक आवश्यकताओं को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं। संयुक्त संचालक कृषि ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी विकसित कृषि संकल्प अभियान के दौरान इन वैकल्पिक खादों की उत्पादन तकनीक को गांव-गांव तक पहुँचाया जाए। इस अवसर पर संभाग के सभी जिलों के लगभग 100 अधिकारी एवं कमर्चारी उपस्थित थे ।

निगम आयुक्त ने राजस्व वसूली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों का सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग में वित्तीय वर्ष समाप्ति के पश्चात राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा की गई, जिसमें निगम क्षेत्र के वाडर्वार राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक के दौरान उन्होंने राजस्व वसूली को और अधिक गति देने के लिए सख्त निर्देश दिए। उन्होंने बकाया करदाताओं पर कार्रवाई करते हुए नल कनेक्शन विच्छेद करने, वारंट जारी करने एवं आवश्यकतानुसार दुकानों को सील करने के संबंधित निर्देश अधिकारियों को दिए। इसी क्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया।

राजस्व विभाग के कर्मचारी राजेश ताम्रकार द्वारा न्यू आदर्श नगर क्षेत्र में सर्वाधिक वसूली की गई, वहीं उरला वार्ड से शिवा परिहार दूसरे स्थान पर रहे। दोनों कर्मचारियों को आयुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने सभी कमर्चारियों को इसी प्रकार समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा जताई।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की योजनाओं का शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने पर जोर

नए वित्तीय वर्ष अप्रैल से प्रत्येक राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के विभिन्न योजनाओं के शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने खंड चिकित्सा अधिकारी पाटन व शहरी चरोदा के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुवनेश्वर कुमार कठौतिया ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 में शनिवार को समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने फील्ड के समस्त पैरामेडिकल स्टाफ और अस्पताल के स्वास्थ्य कमर्चारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। डॉ कठौतिया ने कहा कि टी बी मुक्त भारत बनाने कमर कस लीजिए। प्रत्येक लक्षण वाले व्यक्ति का बलगम जांच करवाई जाए। वहीं जिनमें टी बी का लक्षण है लेकिन बलगम जांच मे नेगेटिव आया, ऐसे लोगों की एक्स-रे जांच कराकर टी बी खोज का दायरा बढ़ाना है। वहीं प्रत्येक हजार की आबादी वाले क्षेत्रों में 21 गर्भवती माताओं के अनुपात से पंजीकरण कराया जाए और हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को चिह्नित करते हुए संस्थागत प्रसव कराने प्रत्येक को प्रति माह 03 सामान्य प्रसव कराना है। उन्होंने कहा कि 70+ आयु समूह के लोगों का वय वंदना कार्ड बनाया जाए और निर्धारित टीकाकरण दिवस पर सभी 0 से 5 वर्ष आयु के बच्चों को टीकाकरण युविन पोर्टल टीकाकरण मे दर्ज कराया जाए। डॉ कठौतिया ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र मे माता मृत्यु और शिशु मृत्यु दर कम करना है किसी भी स्थिति मे इतने संसाधन उपलब्ध होने बावजूद हम लोग माता मृत्यु को रोक नहीं पाएंगे तो अच्छी बात नहीं है। इस दौरान बी ई टी ओ सैय्यद असलम ने बताया कि गत वर्ष के लक्ष्य को लगभग पूरा किया गया है। प्रसव मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-3 जिला में दूसरे स्थान पर है। सेक्टर मेडिकल ऑफिसर डॉ शिखर अग्रवाल ने आश्वस्त किया कि वे क्षेत्र मे प्रत्येक राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने फील्ड के पैरामेडिकल स्टाफ को संसाधनों को उपलब्ध कराने और सहयोग करने के साथ स्वयं फील्ड में निगरानी करेंगे। डॉ कठौतिया ने मीजल्स रूबेला उन्मूलन अभियान में लाइन लिस्ट बनाकर टीकाकरण अभियान को शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने और ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीनेशन का प्रचार प्रसार करते हुए सर्वाइकल कैंसर अभियान बचाव में लक्ष्य हासिल करना है। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोगी की खोज करते हुए लक्षण वाले मरीजों का सत्यापन किया जाए। गैर संचारी रोग अभियान में डायबिटीज, ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और हाइपरटेंशन के लक्षित समूह का स्क्रीनिंग करना सुनिश्चित करें। सभी मरीजों के फॉलोअप पर ध्यान देते हुए दवाएं उपलब्ध कराएं। डॉ. कठौतिया ने कहा बिना उचित कारण के अवकाश न लें और कार्य को गंभीरता से करें। पीलिया से बचाव ओर लू प्रबंधन के लिए काम करने ध्यान रखें। नल-जल योजनाओं मे विभिन्न विभागों से समन्वय करते हुए शासकीय कुआं,पानी टंकी का क्लोरीन करण और टूट-फूट पाइप लाइन की मरम्मत कराए। उल्टी दस्त पर तत्काल रिपोर्ट करें। पीलिया के केस मिलने पर तत्काल सूचना दी जाए ताकि बीमारी की रोकथाम बचाव किया जाए। बैठक में आर एम ए प्रज्ञा कुशवाहा और एल एच व्ही आर विश्वास भी उपस्थित थे।

दुर्ग में राजनीतिक सौहार्द की मिसाल, वोरा ने स्व. हेमचंद को किया नमन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वरिष्ठ कांग्रेस नेता, दुर्ग के विधायक रहे अरुण वोरा ने स्व. हेमचंद यादव की पुण्यतिथि पर उनके निवास पहुँचकर उन्हें स्मरण किया एवं पुष्पांजलि अर्पित की। स्व. श्री यादव के निधन के बाद से अब तक ऐसी एक भी पुण्यतिथि नहीं रही, जब वोरा उनके निवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देने न पहुँचे हों।

इस अवसर पर वोरा ने कहा कि राजनीति में भले ही वे अलग-अलग विचारधाराओं से जुड़े रहे और कई बार आमने-सामने भी रहे, लेकिन उनके प्रति मन में हमेशा सम्मान रहा। उन्होंने हेमचंद यादव के सादगीपूर्ण व्यक्तित्व और जनता के प्रति समर्पण को याद किया।

गौरतलब है कि हेमचंद यादव और अरुण वोरा के बीच दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में कई चुनावी मुकाबले हुए, जहां दोनों नेता अपने-अपने दल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते हुए आमने-सामने रहे। ये मुकाबले भले ही कड़े रहे हों, लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर दोनों के बीच आपसी सौहार्द बना रहा।

हेमचंद यादव दुर्ग की राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते थे और भाजपा से जुड़े रहते हुए उन्होंने क्षेत्र की सेवा में अहम योगदान दिया। वहीं अरुण वोरा भी लंबे समय से दुर्ग की राजनीति का प्रमुख चेहरा रहे हैं और क्षेत्र के विकास तथा जनसेवा में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। अरुण वोरा के साथ पूर्व महापौर आर. एन. वर्मा, राजकुमार पाली, राजकुमार साहू, अजय गुप्ता, राहुल अग्रवाल एवं सौरभ ताम्रकार ने भी श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

फरार आरोपी गिरफ्तार, लाखों रुपये की संपत्ति बरामद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले के अमलेश्वर थाना क्षेत्र में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात और नगदी सहित कुल 6,55,277 रुपये की संपत्ति बरामद की गई है। वहीं पूरे मामले में अब तक कुल 14,77,757 रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी ने थाना अमलेश्वर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 25 जनवरी 2026 से 29 जनवरी 2026 के बीच अज्ञात आरोपी ने उसके घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी पार कर दी। रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस मामले में पुलिस पहले ही तीन आरोपी—खिलेष दास मानिकपुरी, भुनेश्वर उर्फ नानू यादव और तुलेश्वर उर्फ टिल्लू सोनकर—को गिरफ्तार कर चुकी थी। इनके कब्जे से 8,22,480 रुपये मूल्य की संपत्ति बरामद कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था।

विवेचना के दौरान पुलिस रिमांड में पूछताछ करने पर आरोपी तुलेश्वर सोनकर ने चोरी की संपत्ति अपने जीजा गौरीशंकर खुटे को देना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने गौरीशंकर खुटे (28 वर्ष), निवासी मेढापाली (शक्ति), वतर्मान पता इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी फेस-02, थाना डीडी नगर, रायपुर, को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे और निशानदेही से सोने-चांदी के जेवरात, पायल, चैन, बिछिया सहित नगदी 2,18,000 रुपये बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने चोरी की संपत्ति को अपने परिचित के माध्यम से गिरवी भी रखा था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने आर्थिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से सुनियोजित तरीके से चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। घटना ग्राम मोतीपुर, थाना अमलेश्वर क्षेत्र की है। इस पूरी कार्रवाई में थाना अमलेश्वर एवं एसीसीयू टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की संपत्ति बरामद की।

भिलाई निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय ने निरीक्षण के दौरान वाटर एटीएम, तालाब सफाई और जनगणना कार्य का लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा आज जोन-5 के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों और व्यवस्थाओं का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल आपूर्ति, स्वच्छता और शासन के महत्वपूर्ण अभियानों की समीक्षा की।

आयुक्त ने सेक्टर-07 स्थित कल्याण कॉलेज परिसर में स्थापित वाटर एटीएम का निरीक्षण किया। यह वाटर एटीएम सांसद निधि से निर्मित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान कॉलेज के छात्र-छात्राओं को ठंडे पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराना है। आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल आपूर्ति सुचारू रहे ताकि विद्यार्थियों को राहत मिल सके।

सेक्टर-07 स्थित तालाब के निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। गर्मी के प्रभाव से तालाब का जलस्तर कम होने पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

शासन के निर्देशानुसार वतर्मान में चल रहे जनगणना कार्य का निरीक्षण करने आयुक्त सेक्टर-06 ए मार्केट पहुँचे, यहाँ सेक्टर-05 के निगम कमर्चारियों द्वारा फील्ड वर्क किया जा रहा है। आयुक्त ने कार्य की प्रगति देखी और चर्चा कर कहा कि कार्य के दौरान यदि कोई तकनीकी या व्यावहारिक समस्या आती है, तो तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत कराएं।

निरीक्षण के दौरान निगम की टीम मुस्तैद रही, जिसमें मुख्य रूप से श्वेता महेश्वर सहायक अभियंता, शंकर सुमन मरकाम उप अभियंता, सागर दुबे जोन स्वास्थ्य अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक एवं अन्य कमर्चारी उपस्थित रहे। "गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल और स्वच्छता हमारी प्राथमिकता है। शासन की योजनाओं और जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए क्षेत्र में सक्रिय रहें।"

जिला कांग्रेस कमेटी का मंथन शिविर, "कान्हा किसली" में, पार्टी को मजबूत बनाने लिया संकल्प

भिलाई निगम और रिसाली निगम में फिर अपना महापौर बनाने फोकस, आगामी चुनौतियों से निपटने के लिए कमर कस ली है : मुकेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कांग्रेस पार्टी को कैसे मजबूत बनाया जाए, आने वाले भिलाई नगर निगम और रिसाली नगर निगम में जीत कैसे हासिल किया जाए, विपक्षी पार्टी के झूठ फरेब को कैसे बेनकाब किया जाए। इस तरह के कई सवालों को लेकर भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने कान्हा किसली, मध्यप्रदेश में चिंतन शिविर का आयोजन किया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इस मंथन शिविर का मार्गदर्शन किया। तीन दिवसीय इस शिविर के दौरान कायर्कारिणी के सदस्यों ने पारिवारिक माहौल में इस पर्यटन स्थल का आनंद भी उठाया।

भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में यह मंथन शिविर काफी सफल रहा। पार्टी के सामने जो चुनौतियां हैं उन पर वरिष्ठ नेताओं ने अपनी बात रखी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जितेंद्र साहू, बृजमोहन सिंह, प्रदेश सचिव इरफान खान, पंकज पाल, सभापति गिरवर बंटी साहू एवं केशव बंछोर सहित निगम के एमआईसी मेंबर, कायर्कारिणी के पदाधिकारी एवं सदस्य काफी संख्या में उपस्थित रहे। शिविर में उपस्थित लोगों ने इन तीन दिनों में कान्हा किसली के घने जंगलों में घूमने, रिसोर्ट के स्विमिंग पूल, जंगल का झरना, घने जंगलों के बीच सफारी आदि का खूब लुत्फ उठाया।

शिविर को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेता बृजमोहन सिंह ने कहा कि हमें मजबूती से काम करना है और पार्टी को मजबूत बनाना है। वरिष्ठ नेता पंकज पाल ने कहा कि आने वाले समय में भिलाई नगर निगम एवं अभिसारी नगर निगम हमारे लिए बहुत बड़ी चुनौती है। प्रदेश महामंत्री जितेंद्र साहू ने इस कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ में यह पहला प्रयास है यहां उपस्थित काफी अच्छी है। हमें देखना होगा कि लोगों में सक्रियता बढ़े।

प्रदेश सचिव इरफान खान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की इमेज को हिंदू विरोधी और मुस्लिम समर्थक बना दिया गया है हमें इस इमेज को तोड़ना होगा और कांग्रेस की विचारधारा को सबके सामने लाना होगा। अली हुसैन सिद्दीकी ने कहा कि वार्ड एवं ब्लॉक स्तर पर लोगों को जिम्मेदारी देनी होगी।

भिलाई नगर निगम के सभापति गिरवर बंटी साहू ने कहा कि आगामी निगम चुनावों में सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करना होगा। रिसाली नगर निगम के सभापति केशव बंछोर ने कहा कि कई बार आरक्षण के चलते योग्य को टिकट नहीं मिल पाती इसमें निराश होने की जरूरत नहीं है। ब्लॉक अध्यक्ष नंदकुमार कश्यप ने कहा कि पदाधिकारियों को अभी से जिम्मेदारी सौंप दी जाए ताकि वह अभी से सक्रिय हो जाएं। शिविर को महिला पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया। सभी ने संकल्प लिया कि पार्टी उन्हें जो भी दायित्व देगी वह उसे पूरी ईमानदारी से निभाएंगे।

संकल्प लें कि भिलाई और रिसाली निगम में हमारा महापौर होगा : मुकेश चंद्राकर

मंथन शिविर को संबोधित करते हुए अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने कहा कि संगठन को कैसे मजबूत करना है इसके लिए समय-समय पर ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी से दिशा निर्देश मिलते रहता है। हमने आगामी चुनौतियों से निपटने के लिए कमर कस ली है। अब हमें 1 मिनट भी खाली नहीं बैठना है। कायर्कारिणी के एक-एक पदाधिकारी को और सदस्यों को जवाबदेही दी जा रही है। वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन में निगरानी समिति और अनुशासन समिति का भी गठन किया जाएगा ताकि लोगों के कार्यों का अवलोकन किया जा सके और उनकी शिकायतें सुनी जा सके।

श्री चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश में हमने सबसे पहले कायर्कारिणी की घोषणा की है। अब हमें लगातार मेहनत करना है और आगामी नगर निगम चुनाव को फोकस में रखकर पार्टी के प्रत्याशियों को विजयी बनाना है। आज हम इस चिंतन शिविर से संकल्प लेकर जाएं कि भिलाई नगर निगम और रिसाली नगर निगम में हमारा महापौर होगा। ज्यादा से ज्यादा हमारे पार्षद होंगे। उन्होंने शिविर में आने वाले सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अल्प समय की सूचना पर बड़ी संख्या में लोग शिविर में उपस्थित हुए, यही शिविर की सफलता है।

अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, प्रदेश महामंत्री जितेंद्र साहू, प्रदेश सचिव इरफान खान, वरिष्ठ नेता बृजमोहन सिंह, पंकज पाल, सभापति गिरवर बंटी साहू एवं केशव बंछोर, मो रफीक, रविंदर सिंह, श्रीमती भुवनेश्वरी रानी, अली हुसैन सिद्दीकी, श्रीमती शिखा रॉय, शमशेर सिद्दीकी, गोविंद कोसले, विष्णु बारले, चुम्मन देशमुख, दीपक भाटिया, चंद्रकांत कोरे, विनोद गुप्ता, श्रीमती जागेश्वरी साहू, श्रीमति पिंकी वर्मा, राजेश कुमार साहू, शैलेन्द्र साहू, अमित सिंह, सनीर साहू, इमरान अंसारी, श्रीमती दानेशवरी साहू, श्रीमती ललिता साहू, रवि शर्मा, दुर्गेश ताम्रकार, दर्शन सिंह, श्रीमती कीर्ति सिंह, शुभम वर्मा, राजेंद्र रजक, विजय चौबे, केशव चौबे, सुमित सिंह, प्रमोद प्रभाकर, अमित कासकर, इमरान खान, जहीर अब्बास, अनिल देशमुख, जूली साहू, श्रीमती अनीशा बघेल, लालचंद वर्मा, आनंद डोंगरे, राकेश मिश्रा, दिनेश पटेल, गिलोरी एंथोनी, टेकराम डड़सेना, नंद कुमार कश्यप, जितेश बंजारे एवं कोमल दूधे उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी केवल पोषण नहीं, बल्कि संस्कार निर्माण की पाठशाला बने : मंत्री राजवाड़े

बैठक में प्रदेश के 52,518 आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को संस्कारपरक शिक्षा से जोड़ने के लिए ठोस पहल करने पर किया विचार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा तक सीमित न रखते हुए उन्हें संस्कार निर्माण की पाठशाला के रूप में विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि 3 से 6 वर्ष की आयु बच्चों के सर्वांगीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था होती है, जिसमें दिए गए संस्कार जीवनभर उनकी सोच और व्यवहार को दिशा देते हैं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े अपने निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में राज्य शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र के ईसीसीई के राज्य स्तरीय रिसोर्स पर्सन एवं विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर रही थीं। बैठक में प्रदेश के 52,518 आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को संस्कारपरक शिक्षा से जोड़ने के लिए ठोस पहल करने पर विचार किया गया।

उन्होंने कहा कि बच्चे का पहला विद्यालय उसका घर और आंगनबाड़ी होता है, इसलिए यहां दी जाने वाली शिक्षा में भारतीय जीवन मूल्यों का समावेश अत्यंत आवश्यक है। संस्कारपरक शिक्षा का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक अवस्था से ही बड़ों का सम्मान, सत्य बोलना, स्वच्छता, अनुशासन, प्रकृति प्रेम तथा धन्यवाद और क्षमा जैसे व्यवहारिक गुणों का विकास करना है।

मंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों में इस प्रकार की शिक्षा को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए कई व्यवहारिक सुझाव दिए। उन्होंने दिन की शुरुआत प्रार्थना, योग और प्राणायाम से करने, पंचतंत्र एवं लोककथाओं के माध्यम से नैतिक शिक्षा देने, त्योहारों और महापुरुषों की जयंती के जरिए सांस्कृतिक जुड़ाव बढ़ाने, तथा दैनिक व्यवहार में नमस्ते, स्वच्छता और अनुशासन को शामिल करने पर बल दिया। साथ ही बच्चों में श्रम के प्रति सम्मान और प्रकृति प्रेम विकसित करने के लिए पौधारोपण एवं स्वच्छता जैसे छोटे-छोटे कार्यों को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की बात कही। उन्होंने अभिभावकों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महीने में ह्यसंस्कार सभाह्न आयोजित कर माता-पिता को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए, ताकि घर और आंगनबाड़ी दोनों स्थानों पर बच्चों को समान वातावरण मिल सके।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इस पहल से बच्चों में आत्मविश्वास, भाषा कौशल और सामाजिक व्यवहार का विकास होगा, साथ ही कुपोषण के साथ चरित्र पोषण भी सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि संस्कारित बच्चे आगे चलकर अनुशासित विद्यार्थी और जिम्मेदार नागरिक बनते हैं, जिससे समाज और राष्ट्र की मजबूत नींव तैयार होती है।

उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को दूसरी माँ की भूमिका निभाते हुए बच्चों को प्रेमपूर्वक संस्कार देने का आह्वान किया। वर्तमान सामाजिक परिवेश में बढ़ती सामाजिक बुराइयों और मानवीय मूल्यों में गिरावट को देखते हुए उन्होंने प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र को संस्कार-केन्द्र के रूप में विकसित करने पर जोर दिया।

खास खबर

वार्ड अध्यक्ष सूची रद्द पर अरुण साव का हमला, बोले–आपसी लड़ाई में खत्म हो रही कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर कांग्रेस वार्ड अध्यक्षों की सूची को निरस्त किए जाने पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस कांग्रेस-कांग्रेस खेल रही है। आपस में ही लड़कर कांग्रेस समाप्त हो रही है। जनता भी चाहती है, कांग्रेस न रहे तो ही अच्छा है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मीडिया से चर्चा में महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस के बयान पर कहा कि हर एक मामले में कांग्रेस का घिसापिटा मामला है। देश में कहीं न कहीं चुनाव है। 75 साल महिलाओं को उनके वाजिब अधिकार से वंचित रखा। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनका अधिकार मिलने जा रहा है। देश की जनता सशक्त हो, ये कांग्रेस कभी अच्छा चाहती नहीं है। देश में चुनाव होते रहता हैं। जनता को जवाब देना पड़ेगा।

वहीं पश्चिम बंगाल में चुनाव को लेकर अरुण साव ने कहा कि पश्चिम बंगाल की आम जनता परेशान है। वहां कानून का राज नहीं है। भाजपा ने घोषणा पत्र जारी किया है। आम जनता के बेहतरी और खुशहाली के लिए घोषणा पत्र जारी किया है। पश्चिम बंगाल में परिवर्तन होने जा रहा है। बीजेपी का कमल खिलने जा रहा है।

सीईओ का जिला पंचायत निरीक्षण, आजीविका केंद्रों को बाजार से जोड़ने के दिए निर्देश

महासमुंद। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) हेमंत नंदनवार ने जिले के विभिन्न आजीविका संवर्धन केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं द्वारा संचालित गतिविधियों की समीक्षा की और उन्हें बेहतर उत्पाद निर्माण के साथ बाजार से जोड़ने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने महासमुंद विकासखंड के बिरकोनी और कांपा स्थित आजीविका केंद्रों तथा पिथौरा विकासखंड के बगरापाली केंद्र का दौरा किया। उन्होंने केंद्रों में चल रही गतिविधियों का अवलोकन किया और स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर उनके कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि उनके उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो सके और उनकी आय में वृद्धि हो।

सीईओ नंदनवार ने लखपति दीदी पहल के तहत अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आय आधारित नई गतिविधियों से जोड़कर आजीविका को मजबूत किया जा सकता है। इससे ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगी। पिथौरा के बगरापाली आजीविका केंद्र में निरीक्षण के दौरान उन्होंने फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण यूनिट, सब्जी बड़ी निर्माण और अन्य गतिविधियों का भी जायजा लिया। उन्होंने इन सभी कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना और महात्मा गांधी नरेगा के तहत चल रहे विभिन्न कार्यों की भी समीक्षा की गई। सीईओ ने तालाब गहरीकरण, शेड निर्माण और अन्य कार्यों की प्रगति की जांच करते हुए इन्हें समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने नरेगा योजना के तहत अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। साथ ही जल संरक्षण से जुड़े कार्यों जैसे नए तालाब निर्माण, वाटर हार्वेस्टिंग टैंक, सोखता गड्ढा, नाडेप और पौधरोपण के लिए उपयुक्त स्थलों का चिन्हांकन कर शीघ्र स्वीकृति देने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान सीईओ ने कहा कि जिन हितग्राहियों ने अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है, वे सात दिनों के भीतर कार्य प्रारंभ करें। उन्होंने सभी आवासों में अनिवार्य रूप से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने पर भी जोर दिया ताकि जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

समग्र विकास को नई रफ्तार : वित्त मंत्री चौधरी ने 9 प्रमुख परियोजनाओं का किया निरीक्षण

केलो रिवर फ्रंट और एनीकट से बढ़ेगी जल उपलब्धता और शहर की सुंदरता

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ प्रवास के दौरान शहर में संचालित करोड़ों रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने कला, संगीत, संस्कृति और साहित्य की पहचान वाले रायगढ़ को आधुनिक और विकसित शहर के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से संचालित 9 प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री चौधरी ने कोतरा रोड दुग्ध डेयरी क्षेत्र में विकसित हो रहे ऑक्सी-जोन, हाईटेक नालंदा लाइब्रेरी, रायगढ़ स्टेडियम परिसर में राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता की तैयारियों के तहत बन रहे स्विमिंग पूल एवं खेल अधोसंरचना, पहाड़ मंदिर के सौंदर्यीकरण, एसईसीएल द्वारा विकसित मरीन ड्राइव, कायाघाट पुल निर्माण, एसईसीएल स्टॉप डेम (सिंचाई), एफसीआई ऑक्सीजोन तथा फतहामुड़ा तालाब के सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। मंत्री श्री चौधरी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि रायगढ़ अपनी मूल पहचान को बनाए रखते हुए तेजी से विकसित शहर की दिशा में अग्रसर है और इन परियोजनाओं के माध्यम से शहर में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने जेलपारा एनीकट के जीणोद्धार और खर्राघाट बैराज निर्माण की टेंडर प्रक्रिया में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

वित्त मंत्री ने एसईसीएल की सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत पुराने जिंदल पुल से कायाघाट पुल तक विकसित किए जा रहे केलो रिवर फ्रंट परियोजना का भी निरीक्षण किया। लगभग 28.26 करोड़ रुपए की लागत (5 वर्षों के रखरखाव सहित) से संचालित इस परियोजना का कार्य 29 जनवरी 2026 से प्रारंभ हो चुका है।

परियोजना के तहत केलो नदी तट का सौंदर्यीकरण, छठ घाट का विकास, सड़क निर्माण, कियोस्क (दुकानें), बैठने की व्यवस्था, शौचालय, कार एवं बाइक पार्किंग, आकर्षक बोर्ड वॉक (वॉकिंग पाथवे) तथा हरित विकास कार्य किए जाएंगे, जिससे यह क्षेत्र शहर का प्रमुख पर्यटन एवं आकर्षण केंद्र बनेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा रायगढ़ को विकसित शहर के रूप में स्थापित करने हेतु स्वीकृत इन परियोजनाओं की वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी समय-समय पर स्वयं समीक्षा करते रहते हैं, जिससे कार्यों में गुणवत्ता और गति बनी रहे।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्री लाल साहू, मुकेश जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत सीईओ अभिजीत बबन पठारे, नगर निगम आयुक्त बृजेश क्षत्रिय, कार्यपालन अभियंता लोहिया तथा अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

ऐसा देश में पहली बार : 10.5 किलो का ट्यूमर, 15 साल की पीड़ा से मिली मुक्ति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित आंबेडकर अस्पताल में चिकित्सा इतिहास का एक अद्भुत और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। 15 साल से पीठ पर साढ़े 10 किलो का ट्यूमर लेकर जी रहे मरीज को आखिरकार नई जिंदगी मिल गई। इस दुर्लभ सर्जरी को देश में अब तक का सबसे बड़ा ट्यूमर ऑपरेशन माना जा रहा है।

जांजगीर-चांपा जिले के 45 वर्षीय मरीज को 15 साल पहले गले के पिछले हिस्से में एक छोटी गांठ हुई थी, लेकिन सही इलाज न मिलने और झोलाछाप डॉक्टरों के चक्कर में पड़ने से यह गांठ धीरे-धीरे विशाल ट्यूमर में बदल गई। समय के साथ इसका वजन बढ़कर साढ़े 10 किलो तक पहुंच गया। इस भारी-भरकम ट्यूमर के कारण मरीज का उठना-बैठना, चलना-फिरना और सोना तक मुश्किल हो गया था। शारीरिक पीड़ा के साथ-साथ सामाजिक उपेक्षा और मानसिक तनाव ने उसकी जिंदगी को और भी कठिन बना दिया था।

आखिरकार मरीज इलाज के लिए रायपुर के आंबेडकर अस्पताल पहुंचा, जहां जनरल सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने उसकी स्थिति को गंभीरता से समझते हुए सर्जरी की योजना बनाई। क्लिनिकल जांच, रेडियोलॉजी और प्री-ऑपरेटिव तैयारियों के बाद सफल ऑपरेशन किया गया। इस जटिल सर्जरी में विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह और चिकित्सा अधीक्षक व लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. संतोष सोनकर की अहम भूमिका रही। उनके साथ सीनियर सर्जन डॉ. राजेंद्र रात्रे, डॉ. मयंक भूषण मिश्रा और सीनियर रेजिडेंट डॉ. प्रेक्षा जैन की टीम ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

डॉक्टरों के अनुसार, मेडिकल साहित्य में अब तक करीब 8 किलो तक के ट्यूमर निकालने का उल्लेख है, लेकिन 10.5 किलो का यह ट्यूमर अपने आप में बेहद दुर्लभ और संभवतः देश का सबसे बड़ा मामला है। यह सफल ऑपरेशन न केवल मरीज के लिए नई जिंदगी की शुरुआत है, बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में भी एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

अवैध रूप से भंडारित 20 गैस सिलेण्डर किया गया जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कोरबा जिले में खाद्य विभाग द्वारा की गई आकस्मिक जांच के दौरान अवैध रूप से गैस सिलेंडरों के भंडारण के दो मामले उजागर हुए हैं। विभागीय टीम ने कार्रवाई करते हुए कुल 20 गैस सिलेंडरों को जब्त किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत फरसवानी स्थित सोनी टेंट हाउस में निरीक्षण के दौरान 8 घरेलू एलपीजी सिलेंडर तथा 1 वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर अनधिकृत रूप से संग्रहित मिला। नियमानुसार कारवाई करते हुए सभी 9 सिलेंडरों को जब्त कर उमरेली इंडेन गैस वितरक की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया।

इसी प्रकार, विकासखंड करतला के ग्राम पंचायत बीरतराई में श्री संजय कुमार साहू के निवास पर की गई जांच में 11 घरेलू गैस सिलेंडर अवैध रूप से संग्रहित पाए गए। संबंधित व्यक्ति द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर सभी सिलेंडरों को जब्त कर समीपस्थ एच.पी. उरगा गैस वितरक की अभिरक्षा में सौंप दिया गया। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का अनधिकृत भंडारण दंडनीय अपराध है। विभाग द्वारा इस प्रकार की अनियमितताओं पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा इस मामले में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कारवाई की जाएगी।

केमिकल और औद्योगिक आपदा के लिए सचेत रहने की जरूरत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

औद्योगिक एवं केमिकल डिजास्टर के संबंध में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारियों के लिए राज्य स्तरीय औद्योगिक आपदा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत सरकार गृह मंत्रालय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मार्गदर्शन दिया गया।

प्रशिक्षण में औद्योगिक या केमिकल आपदा के अवसर की जाने वाली सावधानियां डिजास्टर के समय की व्यापक तैयारियां पहले से करने के संबंध में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को मार्गदर्शन दिया गया।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नई दिल्ली के अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जानकारी दी गई कि आगामी दिनों में छत्तीसगढ़ में केमिकल एवं औद्योगिक आपदा के संबंध में राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाईज कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें औद्योगिक या केमिकल आपदा के समय कैसे व्यापक प्रबंधन एवं सुरक्षा किया जाये। आपदा के समय आपातकालीन तैयारियां, अग्निशामक तैयारियां, आपदा के समय जन सामान्य में जागरूकता सहित विविध आपदा प्रबंधन के तौर-तरीकों और तैयारियों के संबंध में व्यापक मार्गदर्शन दिया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित इस बैठक में गृह मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, एन.डी.आर.एफ., एस.डी.आर.एफ. अन्य पुलिस फोर्सेस के अधिकारी सहित उद्योग, परिवहन, स्वास्थ्य, गृह, और राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं सभी जिलों के जिला आपदा प्राधिकरण के अधिकारी शामिल हुये।

त्रुटिरहित व समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें प्रेक्षक : आयुक्त अजय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मई जून-2026 की तैयारियों को गति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में निर्वाचक नामावली प्रेक्षकों की ब्रीफिंग आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने की।

राज्य निर्वाचन आयुक्त सिंह ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए तथा सभी दावा-आपत्तियों का गंभीरता से परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में उनका निराकरण किया जाए। उन्होंने पुनरीक्षण कार्य की सघन निगरानी और प्रभावी सुपरविजन पर विशेष बल दिया।

बैठक में आयोग ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची का व्यापक पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसके लिए 1 अप्रैल 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। इस तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले तथा भारत निर्वाचन आयोग की विधानसभा मतदाता सूची में शामिल नागरिक ही स्थानीय चुनाव में मतदाता बनने के पात्र होंगे। निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 13 अप्रैल को किया जाएगा। इसके पश्चात 20 अप्रैल तक दावा-आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी तथा 27 अप्रैल तक उनका निराकरण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 5 मई को किया जाएगा। आयोग द्वारा बताया गया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं विलोपन के लिए निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे।

बैठक में रिक्त पदों की जानकारी भी साझा की गई। नगरीय निकायों में अध्यक्ष के 4 पद एवं 60 पार्षद के पदों पर आम निर्वाचन तथा अध्यक्ष के 4 पद एवं 17 पार्षद पदों पर उप निर्वाचन प्रस्तावित है। वहीं, त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के अंतर्गत जनपद पंचायत सदस्य के 10 पद, सरपंच के 82 पद एवं पंचों के 1110 पद रिक्त हैं, जिन पर निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा।

शहीद चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री साय ने किया नमन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा प्रवास के दौरान अंबिकापुर के आकाशवाणी चौक पर माँ भारती के वीर सपूत, अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस, त्याग और बलिदान को नमन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन हर भारतीय के लिए राष्ट्रभक्ति, साहस और अदम्य वीरता की प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जी ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया और आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा का अमूल्य संदेश दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आजाद जी के आदर्श हमें यह सिखाते हैं कि राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ते हुए ही हम एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प को सिद्ध कर सकते हैं। यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं में देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रीय मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि नई पीढ़ी महान स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सके। इस अवसर पर कृषि मंत्री राम विचार नेताम, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

संपादकीय

तीन राज्यों के चुनाव में बंपर वोटिंग का संदेश

देश में पांच राज्यों के चुनाव में से तीन राज्यों असम,केरल व पुडुचेरी विधानसभा के लिए रिकार्ड मतदान हुआ है। राज्य विधानसभा चुनाव में कम मतदान होता है तो उसका कुछ मतलब निकाला जाता है और ज्यादा मतदान होता है तो उसका कुछ मतलब निकाला जाता है ।मतदान कम हो या ज्यादा उसका अपना मतलब निकाला जाता है। तीनों राज्यों में बंपर वोटिंग हुई है तो इसका मतलब तीनों राज्यों के लिए एक सा भी निकाला जा सकता है और तीनों राज्यों के लिए इसका मतलब अलग अलग भी निकाला जा सकता है राज्यों के सरकार के कामकाज के आधार पर ही जनता तय करती है कि सरकार को बनाए रखना है या बदलाव करना है।

चुनाव आयोग के मुताबिक असम में 85.64 प्रतिशत, केरल में 78.28 प्रतिशत और पुडुचेरी में 89.81 प्रतिशत वोटिंग हुई है। आंकड़ों के मुताबिक तो असम व पुडुचेरी में यह अब तक की सबसे ज्यादा वोटिंग है। इससे पहले असम में 2016 में 84.72 व पुडुचेरी में 2011 में 85.57 प्रतिशत हुआ था। इसी तरह केरल में 39 साल पहले यानी 1978 में 80.56 प्रतिशत मतदान हुआ था। माना जा रहा है कि मतदान का अंतिम आंकड़ा आने पर तीनों राज्यों में वोटिंग प्रतिशत और बढ़ सकता है ।केरल के 2021 की वोटिंग की तुलना की जाए तो तब केरल में 74.06 प्रतिशत वोट पड़े थे यानी पिछली बार की तुलना में इस बार 4 प्रतिशत वोट ज्यादा पड़े हैं। इसी तरह असम में इस बार 85.64 की तुलना में 21 में 82.04 प्रतिशत वोट पड़े थे यानी इस बार असम में 3.60 प्रतिशत वोट ज्यादा पड़े हैं। इसी तरह पुडुचेरी में 21 में 77.9 की तुलना में 26 में 89.81 प्रतिशत वोट पड़े हैं यानी 11.91 प्रतिशत वोट ज्यादा पड़े हैं।

आमतौर पर मतदान प्रतिशत बढ़ने के दो मतलब निकाले जाते हैं पहला मतलब निकाला जाता है कि सरकार के विरोध मे लहर है और दूसरा मतलब निकाला जाता है कि सरकार के पक्ष में लहर है ।असम में हिमंत विस्वा सरमा की सरकार है और मतदान के पहले जितने सर्वे या ओपिनियन पोल आए सब में बताया तो यही गया है कि हिमंत की सरकार वापसी कर रही है क्योंकि उन्होंने पांच साल अच्छा काम किया है। यानी उनके खिलाफ जनता में कहीं नाराजगी नहीं है या है तो इतनी कम है कि उससे चुनाव का रिजल्ट प्रभावित नहीं हो रहा है ।2014 पहले माना जाता था कि पांच साल या दस साल किसी राजनीतिक दल के सत्ता में रहने पर जनता में उसके प्रति नाराजगी होती है लेकिन 2014 के बाद माना यह जाता है कि सरकार अच्छा काम करती है तो जनता उसे दूसरी बार नहीं तीसरी बार भी मौका देती है।

हिमंत विस्व सरमा कभी असम में कांग्रेस के नेता हुए करते थे, अपनी उपेक्षा से वह भाजपा आए और आज असम में भाजपा को मजबूत बनाए हुए हैं कांग्रेस और राहुल गांधी असम में भाजपा से ज्यादा हिमंत को हराने का सपना देख रही है क्योंकि राहुल गांधी यही चाहते हैं ।राहुल गांधी ऐसा क्यों चाहते हैं क्योंकि राहुल गांधी की सबसे ज्यादा आलोचना हिमंत ने किया है,इससे राहुल गांधी की छवि धूमिल हुई है लेकिन लगता नहीं है कि कांग्रेस हिमंत के चुनाव में हरा सकेगी और राहुल गांधी का उनको जेल भेजने का सपना पूरा होगा। इसकी वजह यह है कि हिमंत ने पांच साल राज्य में किसी कांग्रेस नेता की तरह नहीं भाजपा नेता की तरह काम किया है यानी नो भ्रष्टाचार ।इससे हिमंत की छवि जनता में साफसुथरी व कामकरने वाले नेता की बनी हुई है ।असम को ऐसा नेता बरसों बाद मिला है, इसलिए माना जा रहा है कि जनता उन्हें फिर से काम करने का मौका देगी।

जहां तक पुडुचेरी का सवाल है तो यहां एनडीए कांग्रेस के गठबंधन की तुलना में मजबूत है और एनडीए की सरकार ने यहां पांच साल में अच्छा काम किया है ।सरकार के अच्छे काम के कारण ही यहां ज्यादा वोटिंग को सरकार के पक्ष में लहर माना जा रहा है ।वहीं केरल में कांग्रेस पिछली बार चुनाव हार गई थी इसलिए वह उम्मीद कर रही है कि इस बार यहां कांग्रेस के जीतने की संभावना ज्यादा है। कांग्रेस का मानना है कि यहां की वामपंथी सरकार पहले जैसी वामपंथी नहीं रह गई है, इसलिए जनता इस बार उसको हराएगी। जबकि मौजूदा सरकार को जीत की उम्मीद इसलिए है कि उसने जनता के हित में कई काम किए है, जनता को उसका लाभ मिला है इसलिए जनता उनको एक बार और मौका जरूर देगी। जहां तक भाजपा का सवाल है तो भाजपा इस बार कुछ सीटें जीत सकती हैं और उसका जनाधार पहले बढ़ सकता है।

आज भी भारत के मार्गदर्शक हैं महात्मा फुले

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

जब समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, तब महात्मा फुले ने लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए स्कूल खोले। वे कहते थे, 'बच्चों में जो सुधार मां के माध्यम से आता है, वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर स्कूल खोले जाएं, तो सबसे पहले लड़कियों के लिए खोले जाएं।'

11 अप्रैल हम सभी के लिए बहुत विशेष दिन है। इस दिन भारत के महान समाज सुधारकों में से एक और पीढ़ियों को दिशा दिखाने वाले महात्मा ज्योतिराव फुले की जन्म-जयंती है। इस वर्ष यह अवसर और भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके 200वें जयंती वर्ष का शुभारंभ भी हो रहा है।

महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। महात्मा फुले को केवल उनकी संस्थाओं या आंदोलनों के लिए ही याद नहीं किया जाता, बल्कि उन्होंने लोगों के मन में जो आशा और आत्मविश्वास जगाया, उसका व्यापक प्रभाव हम आज भी महसूस करते हैं। उनके विचार देशवासियों के लिए प्रेरणापुंज हैं।

महात्मा फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक बहुत साधारण परिवार में हुआ। लेकिन शुरुआती चुनौतियां कभी उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाईं। उन्होंने हमेशा यह माना कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, ईमान को मेहनत करनी चाहिए, ज्ञान हासिल करना चाहिए और समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें अनदेखा करना चाहिए। बचपन से ही महात्मा फुले बहुत जिज्ञासु थे और अपनी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा कहीं अधिक पुस्तकें पढ़ते थे। वो कहते भी थे, हम जितना ज्यादा सवाल करते हैं, उनसे उतना ही अधिक ज्ञान निकलता है। साफ है कि बचपन से मिली जिज्ञासा उनकी पूरी यात्रा में बनी रही।

महात्मा फुले के जीवन में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण मिशन बनी। उनका मानना था कि ज्ञान किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। जब समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, तब महात्मा फुले ने लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए स्कूल खोले। वे कहते थे, ह्यबच्चों में जो सुधार मां के माध्यम से आता है, वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर स्कूल खोले जाएं, तो सबसे पहले लड़कियों के लिए खोले जाएं। उन्होंने शिक्षा को न्याय और समानता का माध्यम बनाया।

शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण हमें आज भी बहुत प्रेरित करता है। पिछले एक दशक में भारत ने युवाओं के लिए रिसर्च और इनोवेशन को बहुत प्राथमिकता दी है। एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने का प्रयास किया गया है, जिसमें युवा सवाल पूछने, नई चीजें सीखने और इनोवेशन के लिए प्रेरित हों। ज्ञान, कौशल और अवसरों में निवेश करके भारत अपने युवाओं को देश की प्रगति का आधारस्तंभ बना रहा है।

अपने शैक्षिक ज्ञान और बौद्धिकता से महात्मा फुले ने कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों की गहरी जानकारी हासिल की। वे कहते थे कि किसानों और मजदूरों के साथ अन्याय समाज को कमजोर करता है। उन्होंने देखा कि सामाजिक असमानताएं खेतों और गांवों में लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं। इसलिए उन्होंने गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए भी हरसंभव प्रयास किए।

महात्मा फुले ने कहा था, जोपर्यंत समाजातील सर्वांना समान अधिकार मिळत नाहीत, तोपर्यंत खरे स्वातंत्र्य मिळत नाही यानी जब तक समाज के सभी लोगों को समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक सच्ची आजादी नहीं मिल सकती। इसी विचार को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना की। उनका सत्यशोधक समाज, आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण समाज सुधार आंदोलनों में से एक था। यह आंदोलन सामाजिक सुधार, सामुदायिक सेवा और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा था। यह महिलाओं, युवाओं और गांवों में रहने वाले लोगों की पुरजोर आवाज बना। यह आंदोलन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि समाज की मजबूती के लिए न्याय, हर व्यक्ति के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति जरूरी है।

उनका व्यक्तिगत जीवन भी साहस की मिसाल रहा। लगातार लोगों के बीच रहकर काम करने का असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ा। लेकिन गंभीर बीमारी भी उनके संकल्प को कमजोर नहीं कर सकी। एक गंभीर स्ट्रोक के बाद भी उन्होंने अपना काम और समाज के लिए संघर्ष जारी रखा। उनका शरीर कमजोर हुआ, लेकिन समाज के प्रति उनका समर्पण कभी नहीं डगमगाया। आज भी करोड़ों लोग उनके जीवन के इस पहलू से प्रेरणा लेते हैं।

महात्मा फुले का स्मरण, सावित्रीबाई फुले के सम्मानजनक उल्लेख के बिना अधूरा है। वह स्वयं भारत की महान समाज सुधारकों में से एक थीं। भारत की पहली महिला शिक्षिकाओं में शामिल सावित्रीबाई ने लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में बेहद अहम भूमिका निभाई। महात्मा फुले के निधन के बाद भी उन्होंने इस कार्य को जारी रखा। वर्ष 1897 में प्लेग महामारी के दौरान उन्होंने मरीजों की इतनी सेवा की कि वह स्वयं भी इस बीमारी की शिकार हो गईं और उनका निधन हो गया।

भारतभूमि बार-बार ऐसी महान विभूतियों से धन्य होती रही है, जिन्होंने अपने विचार, त्याग और कर्म से समाज को मजबूत बनाया है। उन्होंने बदलाव का इंतजार नहीं किया, बल्कि स्वयं बदलाव का माध्यम बने। सदियों से हमारे देश में समाज सुधार की आवाज उन्हीं लोगों से उठी है, जिन्होंने पीड़ा को भाग्य नहीं माना, बल्कि उसे खत्म करने के प्रयासों में जुटे रहे। महात्मा ज्योतिराव फुले भी ऐसे ही महान व्यक्तित्व थे।

मुझे 2022 में पुणे की अपनी यात्रा याद है, जब मैंने शहर में महात्मा फुले की भव्य प्रतिमा पर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। उनके 200वें जयंती वर्ष की शुरुआत पर हम उनके विचारों को अपनाकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। हमें शिक्षा के प्रति अपने संकल्प को मजबूत करना होगा। अन्याय के प्रति संवेदनशील बनना होगा और यह विश्वास रखना होगा कि समाज अपने प्रयासों से ही खुद को बेहतर बना सकता है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि समाज की शक्ति को जनहित और नैतिक मूल्यों से जोड़कर भारत में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं। यही कारण है कि आज भी उनके विचार करोड़ों लोगों में नई उम्मीद जगाते हैं। महात्मा ज्योतिराव फुले 200 साल बाद भी केवल इतिहास का नाम नहीं, बल्कि भारत के भविष्य के मार्गदर्शक बने हुए हैं।

योजनाओं से संवर रहा भविष्य, पहाड़ी गांव तुलतुली में बदली महिलाओं तस्वीर

नई दृष्टिबिंदु / कांकेर

कांकेर जिले के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में स्थित ग्राम तुलतुली आज विकास की नई राह पर अग्रसर है। कभी नक्सल प्रभाव और बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझने वाला यह गांव अब शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से तेजी से बदल रहा है। ग्रामीणों को अब योजनाओं की जानकारी मिलने के साथ-साथ उनका लाभ भी मिलने लगा है।

ग्राम की निवासी श्रीमती मायाबती हिचामी इस बदलाव की जीवंत मिसाल हैं। उन्हें महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे उनके परिवार की स्थिति में सुधार आया है। मायाबती के दो बच्चे हैंकुबेटी गुड़िया कक्षा चौथी में अध्ययनरत है, जबकि पुत्र आंगनवाड़ी में शिक्षा प्राप्त कर रहा है।

मायाबती बताती हैं कि पहले आर्थिक तंगी और जानकारी के अभाव के कारण बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता बनी रहती थी। अब योजना से मिलने वाली राशि का वे सुनियोजित उपयोग कर रही हैं। हर माह 500 रुपये सुकन्या समृद्धि योजना में जमा कर बेटी के भविष्य को सुरक्षित बना रही हैं, वहीं शेष राशि बच्चों के पोषण और दैनिक जरूरतों पर खर्च करती हैं। वे कहती हैं कि अब गांव में योजनाओं की पहुंच और जागरूकता बढ़ी है, जिससे जीवन स्तर में सुधार हो रहा है।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल, आत्मविश्वास और सम्मान की नई पहचान

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना के माध्यम से महिलाओं को न केवल नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, बल्कि वे आत्मनिर्भरता की ओर भी तेजी से अग्रसर हो रही हैं।

योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। अब तक 26 किश्तों का 16 हजार 240 करोड़ रूपए का भुगतान पात्र हितग्राही महिलाओं को किया जा चुका है। इस योजना की नियमित किस्त मिलने से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वह आर्थिक रूप से सक्षम हुई हैं।

कोरबा शहर के पोड़ीबहार निवासी श्रीमती श्यामा प्रजापति इसकी एक उदाहरण हैं। श्रीमती प्रजापति बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि उनके जीवन में बदलाव लेकर आई है। पहले छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब वे अपने घरेलू खर्च, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को स्वयं पूरा कर पा रही हैं।

उन्होंने बताया कि नियमित सहायता से उन्हें आर्थिक राहत के साथ मानसिक संतोष और आत्मविश्वास भी मिला है। यह योजना उनके जैसे हजारों परिवारों के लिए सहारा बनी है। श्रीमती प्रजापति ने राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल ने महिलाओं को समाज में सशक्त पहचान दिलाने के साथ उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

कुसुम की खेती बनी लाभ का सौदा, कम पानी में किसानों को मिला अधिक मुनाफा

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

ग्रीष्मकालीन धान के विकल्प के रूप में कुसुम की खेती किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की ओर प्रेरित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं।

बलौदाबाजार जिले के विकासखंड पलारी के ग्राम मुसुवाडीह निवासी कृषक वामन टिकरिहा इसके उदाहरण हैं। राज्य स्तरीय डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न से सम्मानित श्री टिकरिहा इस वर्ष 10 एकड़ में कुसुम की खेती कर रहे हैं। विगत वर्ष उन्होंने ग्रीष्मकालीन धान की खेती की थी, लेकिन गिरते भूजल स्तर के कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। कृषि विभाग की सलाह पर इस वर्ष उन्होंने कुसुम की खेती अपनाई, जो कम पानी और कम लागत में ज्यादा लाभदायक है।

कुसुम फसल की विशेषता यह है कि इसके पौधों में कांटे होने के कारण मवेशी इसे नहीं खाते, जिससे किसानों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रबंध की जरूरत नहीं पड़ती। श्री टिकरिहा प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा दे रहे हैं। वे गोबर और गौमूत्र से जीवामृत, बीजामृत और घनजीवामृत का उपयोग कर खेती कर रहे हैं। कुसुम की फसल 150 से 180 दिनों में तैयार हो जाती है और इसमें 25 से 45 प्रतिशत तक तेल की मात्रा पाई जाती है।

गौठान से चमकी किस्मत, धोवाताल की 60 महिलाओं ने रची आत्मनिर्भरता की मिसाल

नई दृष्टिबिंदु / मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर

बकरी और मुर्गीपालन ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता का एक सशक्त और कम लागत वाला जरिया है। बिहान जैसी सरकारी योजनाओं से प्रशिक्षित होकर महिलाएं न केवल स्व-रोजगार कर रही हैं, बल्कि सालाना एक लाख से अधिक की कमाई कर परिवार की स्थिति सुदृढ़ बना रही हैं। यह व्यवसाय कम जगह में अधिक मुनाफा और पशु सखी के माध्यम से सही प्रबंधन प्रदान करती हैं। महिलाएं संगठित होकर बकरी पालन और पोल्ट्री; मुर्गीपालन के माध्यम से लखपति बन रही हैं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदल रही है।

छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के वनांचल क्षेत्र का छोटा सा गांव धोवाताल आज आत्मनिर्भरता और सामूहिक प्रयास की मिसाल बनकर उभर रहा है। जहां कई जगह गौठान योजनाएं निष्क्रिय पड़ी हैं, वहीं इस गांव की 60 महिलाओं ने गौठान को किराए पर लेकर उसे आजीविका के मजबूत केंद्र में बदल दिया है। करीब 150 घरों और 510 की आबादी वाले इस गांव में महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक क्रांति की शुरुआत की है। इनकी मेहनत से न केवल परिवारों की आय बढ़ी है, बल्कि गांव में रोजगार के नए अवसर भी पैदा हुए हैं।

5 समूह, एक लक्ष्य-आत्मनिर्भर गांव

बजरंगबली समूह (बकरी पालन) - अध्यक्ष सूरजवती के नेतृत्व में फूलमती, मानमती, सोनमती, सुभद्रा, गुड़िया, कमलिया, पुष्पलता, सुमित्रा सहित सदस्य बकरी पालन कर रही हैं। सिद्धबाबा समूह (मुर्गी पालन) - अध्यक्ष कृष्णकुमारी के साथ आभा, उर्मिला, केवली, प्रेमिया, कुन बाई, गुलबिया एवं सोनकुवर मुर्गी पालन से जुड़ी हुई हैं। महिला सशक्तिकरण समूह (किराना दुकान) - अध्यक्ष इन्द्र कुंवर के नेतृत्व में फूलमतिया, संतोषी, धरम कुमारी, राजकुमारी, रूकमनी, मान कुंवर एवं सेती बाई किराना दुकान का संचालन कर रही हैं। सीता महिला समूह (बहुआयामी आजीविका) - अध्यक्ष दुरपतिया के साथ रूनिया, बसंती, लीलावती, कुशमिला, सूरजवती, चंदा एवं बिलासो बाई सुकर पालन के साथ बटेर और मछली पालन का कार्य कर रही हैं और दुर्गा महिला समूह (किराना व मनिहारी दुकान) - अध्यक्ष गीता के नेतृत्व में मानमती, कुसुम कली, रामकली, मंगलिया, सुमन, शांति, रूपा एवं चम्पाकली दुकान संचालन में जुटी हैं।

सहायता को बनाया निवेश, खड़ा किया व्यवसाय

महिलाओं को कलस्टर स्तर से मिली 60-60 हजार रुपये की सहायता को खर्च करने के बजाय उन्होंने इसे निवेश में बदल दिया। आज उनके उत्पाद बहरासी और चुटकी जैसे हाट-बाजारों के साथ-साथ मध्यप्रदेश तक पहुंच रही हैं। बकरी पालन के लिए 50 प्रतिशत तक सरकारी सब्सिडी प्रदान कर रही है, जिससे युवाओं को स्वरोजगार में मदद मिल रही है।

गांव में ही रोजगार के अवसर

इस पहल का सबसे बड़ा असर यह हुआ है कि लोगों को रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ता। अब युवाओं को उनके ही गांव में रोजगार मिल जा रहे हैं। गांव के युवा प्यारेलाल, उस्मान चेरवा और रामकुमार का कहना है कि अब उन्हें रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता। गांव में ही काम मिलने से आय के साथ संतुष्टि भी मिल रही है।

NRLM से मिली दिशा, बढ़ा आत्मविश्वास

समूह अध्यक्ष फूलमती सिंह के अनुसार राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) से मिली प्रेरणा और सहयोग ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का रास्ता दिखाया। आज वे पशुपालन और दुकान संचालन के माध्यम से लगातार आय अर्जित कर रही हैं। समूह सदस्य मानमती का कहना है कि बकरी पालन अब उनकी आय का मजबूत स्रोत बन चुका है। कम लागत और कम जगह में शुरू किए जा सकने वाले इन व्यवसायों से ग्रामीण परिवारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं।

अधिकारियों ने सराहा मॉडल

ग्राम सरपंच गोकुल प्रसाद परस्ते के अनुसार गौठान में संचालित गतिविधियों से गांव में आर्थिक समृद्धि आई है और रोजगार के लिए दूसरे जगह जाना रूक गया है। जनपद पंचायत भरतपुर के एडीईओ ऋषि कुमार ने बताया कि विकासखंड में हजारों समूह सक्रिय हैं, लेकिन धोवाताल का मॉडल विशेष रूप से प्रेरणादायक है।

एक मिसाल, जो सिखाती है

धोवाताल की यह कहानी बताती है कि सही दिशा, सामूहिक प्रयास और संसाधनों के बेहतर उपयोग से किसी भी गांव की तस्वीर बदली जा सकती है।

नौकरी के साथ करें ये काम, 1 घंटे में होगी अच्छी कमाई

पैसे की जरूरत सभी को होती है। ऐसे में कई बार सैलरी के बाद भी हमें एक्स्ट्रा पैसों चाहिए होते हैं। हालांकि आप चाहे तो पार्ट टाइम काम करके भी काफी पैसे कमा सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप 1 घंटे पार्ट टाइम काम करके महीने के हजारों रुपये कमा सकती हैं।

कंटेंट राइटर

कंटेंट राइटर की जरूरत सभी कंपनी को होती है। ऐसे में आप चाहे तो डेली का एक घंटा कंटेंट राइटर के तौर पर नौकरी कर सकती हैं। हिंदी या अंग्रेजी किसी भी भाषा में आप कंटेंट लिखकर पोस्ट कर सकती हैं। एक लेख के लिए आप चाहे तो हजारों रुपये चार्ज कर सकती हैं।

वीडियो एडिटिंग

वीडियो एडिटिंग का भी आप काम कर सकती हैं। अगर आपको वीडियो एडिटिंग का काम आता है तो किसी भी कंपनी के लिए या इंफ्लूएंसर के लिए आप वीडियो एडिटिंग का काम कर सकती हैं। वीडियो एडिटिंग के जरिए आप किसी एक वीडियो के लिए हजारों रुपये चार्ज कर सकती हैं।

कोचिंग क्लास

अगर आपका किसी भी विषय में अच्छी पकड़ है तो आपको उस विषय का बच्चों को कोचिंग क्लास देना चाहिए। इसके जरिए भी आप चाहे तो काफी अच्छी कमाई कर सकती हैं। एक घंटे की कोचिंग क्लास में आप चाहे तो 10 से 12 बच्चों को एक साथ ऑनलाइन क्लास दे सकती हैं। अगर आप प्रति स्टूडेंट 2 हजार भी चार्ज करती हैं तो आप काफी पैसे कमा सकती हैं।

ट्विटर अकाउंट करें मैनेज

किसी सेलिब्रिटी का आप ट्विटर अकाउंट भी मैनेज करके हजारों रुपये कमा सकती हैं। आपको केवल उनके तरफ से खास और इंटरेस्टिंग पोस्ट करना होगा। इस काम को करने के लिए आपको केवल 1 घंटे का समय चाहिए। इसके बदले आप हजारों रुपये की कमाई कर सकती हैं।

नौकरी करते समय भी पैसे कमाने के तरीके हैं एंजेल इन्वेस्टमेंट और म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट

नौकरी करते समय भी सैलरी से ज्यादा पैसे कमाने के कई तरीके हैं, एंजेल इन्वेस्टमेंट और शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करके पैसिव इनकम कमा सकते हैं।

आज के दौर में, महंगाई बढ़ रही है और खर्च भी बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में केवल सैलरी पर निर्भर रहना मुश्किल हो सकता है। इसलिए, एक्स्ट्रा इनकम के स्रोत ढूंढना बेहतर विकल्प हो सकता है। इसके साथ ही आपके एंप्लॉयर को भी कोई ऐतराज नहीं होगा। अपनी स्किल्स और अनुभव का इस्तेमाल करके ऑनलाइन या ऑफलाइन फ्रीलांसिंग काम कर सकते हैं। नौकरी करते समय भी सैलरी से ज्यादा पैसे कमाने के कई तरीके हैं, इनमें से कुछ तरीके ये हैं ब्लॉगिंग, सोशल मीडिया पर पेड प्रमोशन, स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग, फ्रीलांसिंग, लेखन, वीडियो अपलोड करना, ईमेल मार्केटिंग, एफिलिएट मार्केटिंग एंजेल इन्वेस्टमेंट, दोस्तों-रिश्तेदारों को लोन देना, म्यूचुअल फंड, ज्योतिष या टैरो परामर्श देना, डिजिटल पाठ्यक्रम या ई-किताबें बनाना और बेचना वर्चुअल ट्यूशन या कोचिंग सत्र आयोजित करना, ऑनलाइन सर्वेक्षणों में हिस्सा लेना, स्टॉक फ़ोटोग्राफ़ी या वीडियो बनाना और बेचना, पॉडकास्ट लॉन्च करना और वेबसाइट डोमेन नाम खरीदना और बेचना। इनके अलावा, आप ये काम भी कर सकते हैं

- ऑनलाइन पढ़ाना
- वेब डिज़ाइन
- वीडियो एडिटिंग
- ऑनलाइन सर्वेक्षणों में हिस्सा लेना
- फ़ोकस समूहों में शामिल होना
- टेम्पलेट और प्रीसेट जैसे डिजिटल उत्पाद बनाना और बेचना
- ई-किताबें लिखना और उन्हें अमेजन किंडल पर बेचना

दोस्त या रिश्तेदार को लोन देकर ज्यादा ब्याज कैसे कमाएं?

एफडी में निवेश करने पर आपको 7-8 फीसदी से ज्यादा ब्याज नहीं मिलता है, जबकि लोन पर आप 10-11 फीसदी ब्याज वसूल सकते हैं। लोन की रकम, ब्याज दर, चुकौती की अवधि और शर्तों आदि का उल्लेख करते हुए एक लिखित समझौता जरूर करें। यह समझौता दोनों पक्षों के हितों की रक्षा करेगा और किसी भी विवाद से बचाएगा। ब्याज दर तय करते समय बाजार की ब्याज दरों का ध्यान रखें। बहुत ज्यादा ब्याज दर लगाने से आपका रिश्ता खराब हो सकता है। अगर आप बड़ी रकम उधार दे रहे हैं, तो कानूनी सलाह लेना भी उचित होगा।

एंजेल इन्वेस्टमेंट हो सकता है बेहतर ऑप्शन

एंजेल इन्वेस्टमेंट, किसी व्यक्ति द्वारा किसी कंपनी में निवेश करने की प्रक्रिया है। आम तौर पर, यह निवेश किसी स्टार्टअप कंपनी में होता है जो विकास के शुरुआती चरण में होती है। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी में इक्विटी के बदले में निवेश करते हैं। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी की संपत्ति पर कोई दावा नहीं करते और इसलिए, उनकी पूंजी असुरक्षित होती है। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी को सफल होने में मदद करने के लिए सलाह या प्रत्यक्ष प्रबंधन सहायता भी देते हैं। इन सबके साथ पैसे के लेन-देन को अपने रिश्ते से अलग रखें।

एंजेल नेटवर्क क्या करता है?

एंजेल नेटवर्क, कई एंजेल निवेशकों का एक समूह होता है। यह पूंजी निवेश से आगे निकलकर, स्टार्टअप्स को उद्योग विशेषज्ञता, सलाह, और मार्गदर्शन भी देता है। इससे स्टार्टअप्स को चुनौतियों से निपटने और सूचित फैसले लेने में मदद मिलती है। एंजेल नेटवर्क से फंडिंग पाने से स्टार्टअप की विश्वसनीयता बढ़ जाती है। इससे स्टार्टअप के लिए बाद के चरण में निवेश आकर्षित करना आसान हो जाता है। एंजेल नेटवर्क, नेटवर्किंग के अवसरों को सुविधाजनक बनाते हैं और स्थानीय स्टार्टअप सिस्टम में योगदान करते हैं। शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करके पैसिव इनकम कमाने के ये मुख्य तरीके हैं -

- डिविडेंड पाना
- पोर्टफोलियो के स्टॉक पर लाभांश या बॉन्ड के ब्याज से कमाई
- वितरित सेक्युरिटीज़ को लाभ पर बेच कर पूंजीगत लाभ

शेयर बाजार में इन्वेस्ट करने के लिए, सही समय पर बाजार में प्रवेश करना जरूरी है। सबसे कम कीमत पर शेयर खरीदने से संभावित लाभ बढ़ता है। वहीं, जब शेयर की कीमत सबसे ज्यादा हो, तब उसे बेचना फायदेमंद होता है। कुछ कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड के रूप में लाभांश का भुगतान करती हैं। डिविडेंड एक निश्चित राशि या कंपनी के मुनाफे का एक प्रतिशत हो सकता है।

म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करने के लिए, 500 या 1,000 रुपये की SIP से शुरुआत की जा सकती है। इसमें साप्ताहिक, मंथली, तिमाही, या सालाना आधार पर SIP के विकल्प मिलते हैं। इसके साथ ही डायरेक्ट प्लान के तहत, सीधे म्यूचुअल फंड की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन निवेश किया जा सकता है। एडवाइजर, ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर के जरिए भी पैसा लगाया जा सकता है। डायरेक्ट निवेश में फंड हाउस को कम चार्ज देना होता है। म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट से होने वाली कमाई, पोर्टफोलियो के स्टॉक पर लाभांश या बॉन्ड के ब्याज से होती है।

कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत बेहतर विकल्प है फ्रीलांसिंग

देखा जाए तो फ्रीलांसिंग कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत एक बेहतर विकल्प है। इसमें कंपनियों को इंफ्लाइज का बोझ नहीं होता और जरूरत के अनुसार वह एम्पलाई (फ्रीलान्सर्स) से काम ले सकते हैं, बिना किसी लायबिलिटी के!

फ्रीलांसिंग की दुनिया भारत में बेशक बहुत समृद्ध ना रही हो, किंतु विश्व भर में इसका बड़ा प्रचलन है। एक से एक बड़ी वेबसाइटें इसका न केवल कारोबार करते हैं, बल्कि बड़ी से बड़ी और छोटी से छोटी कंपनियां फ्रीलांसर्स के माध्यम से अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को अपने टारगेट ऑडियंस तक पहुंचाती रही हैं। देखा जाए तो फ्रीलांसिंग कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत एक बेहतर विकल्प है। इसमें कंपनियों को इंफ्लाइज का बोझ नहीं होता और जरूरत के अनुसार वह एम्पलाई (फ्रीलान्सर्स) से काम ले सकते हैं, बिना किसी लायबिलिटी के! वहीं इंफ्लाइज को भी इससे काफी फायदा होता है, क्योंकि एक फ्रीलांसर के तौर पर उनके पास आजादी होती है तो घर बैठे कार्य करने की सहूलियत भी उन्हें मिल पाती है। वह किसी एक कंपनी से बंधे नहीं रहते हैं, बल्कि ऑपॉर्चुनिटी के आधार पर और अपनी योग्यता के आधार पर ना केवल वह कार्य कर सकते हैं बल्कि उसी अनुरूप वह पेमेंट ले सकते हैं, और अपनी ग्रोथ सुनिश्चित कर सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति के पास ऑप्शन होता है तो वह निश्चित ही घर से कार्य करना चाहेगा। वह निश्चित ही फ्रीलांसिंग करना चाहेगा और ऐसा उसे करना भी चाहिए, क्योंकि ट्रेवल करते समय, ऑफिस जाते समय उसे कहीं ज्यादा खतरा होगा, बजाय घर बैठे फ्रीलांसिंग करने के!

पोर्टफोलियो बनाना आवश्यक

फ्रीलांसिंग की दुनिया अनुभव के आधार पर चलती है। इसमें अनजान लोग आपको मिलते हैं और उन्हीं के माध्यम से आप अपने कार्य को आगे बढ़ाते हैं। ऐसे में अगर आपके पास पहले से पोर्टफोलियो तैयार ना हो, बेशक आप उस कार्य में जितने भी पारंगत क्यों ना हों, तो आपके लिए कार्य प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए अपने पोर्टफोलियो पर ज्यादा ध्यान दें। शुरुआत में बेशक आपको किसी वेबसाइट पर कम पैसे मिले, लेकिन पोर्टफोलियो बन जाने और कस्टमर रिव्यू मिलने के बाद आप मनचाहे रेट पर कार्य कर सकते हैं।

टाइमली डिलीवरी पर रहे ध्यान

ऑनलाइन फ्रीलांसिंग कार्य करने वालों से जो सबसे ज्यादा उम्मीद की जाती है, वह है किसी कार्य की टाइमली डिलीवरी! जी हाँ! अगर आप तय समय पर किसी चीज को डिलीवर करने का वादा करते हैं, बेशक वह कोई पोस्टर हो, कोई वेब डिजाइनिंग हो, कोई मोबाइल एप्लीकेशन हो या कोई आर्टिकल ही क्यों न हो, तो आपको निश्चित समय पर उसकी डिलीवरी सुनिश्चित करनी चाहिए। इसी प्रकार पैसे इत्यादि की शर्तें बेहद साफ होनी चाहिए, क्योंकि अगर कहीं कोई कस्टमर शिकायत करता है या गलत रिव्यू लिखता है तो संबंधित वेबसाइट पर आपकी प्रोफाइल के खराब होने का डर रहता है। खासकर जब एक से अधिक बार कस्टमर रिव्यू खराब मिलने पर नए कस्टमर आपसे जुड़ने से बचने लगेंगे, जो किसी भी फ्रीलांसर के लिए घातक होता है।

इंटरनेशनल मार्किट के लिए अंग्रेजी सीखें

यह कोई अनिवार्यता नहीं है, किंतु अगर आप लगातार इंग्लिश सीखते रहते हैं तो आपको बाकी दुनिया से कनेक्टिविटी बनाने में आसानी रहती है। बल्कि कई फ्रीलांसिंग वेबसाइट तो इसी आधार पर आपको कार्य देती हैं कि आपकी अंग्रेजी का ज्ञान बेहतर है। अगर अंग्रेजी पढ़ने, लिखने और बोलने में आप सिद्धस्त हैं तो आप आसानी से क्लाइंट की बातों को न केवल समझ पाएंगे बल्कि कम्युनिकेशन के माध्यम से उसे प्रभावित भी कर सकेंगे। ऐसे में बेशक अभी आपकी अंग्रेजी बेहतर ना हो, लेकिन अगर आप फ्रीलांसिंग वर्ल्ड में गंभीरता से अपना कैरियर बनाना चाहते हैं, तो अंग्रेजी बेहतर करने की ओर आपका ध्यान लगातार बने रहना चाहिए।

फाइनेंस मैनेजमेंट से जुड़े क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

आज के समय में हर छोटी से लेकर बड़ी कंपनियों को अपने पैसे का प्रबंधन बेहद सावधानी से करना पड़ता है। उन्हें मनी मैनेजमेंट कुछ इस तरह करना होता है, ताकि वह अपने लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकें और लाभ भी कमा सकें। इस लक्ष्यों को पूरा करने व वित्त संबंधी योजनाओं को बनाने के लिए उन्हें एक एक्सपर्ट की जरूरत होती है। यही कारण है कि पिछले कुछ समय में फाइनेंशल एक्सपर्ट्स की डिमांड काफी बढ़ी है। अगर आपको लगता है कि आप पैसे का प्रबंधन बेहद ही कुशलतापूर्वक कर सकते हैं तो इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कैसे बनें एक फाइनेंशियल एक्सपर्ट-

क्या होता है काम

एक फाइनेंशियल एक्सपर्ट का मुख्य काम कंपनी की लागत में कटौती करके उनके लाभ को अधिकतम करना होता है। वे कंपनी की पॉलिसी और उनके लक्ष्यों के आधार पर आय और व्यय की योजनाएं बनाते हैं। ये वास्तव में एक फाइनेंशियल डॉक्टर होते हैं, जो किसी व्यक्ति या संगठन के फाइनेंशियल हेल्थ की देखभाल करने के लिए जिम्मेदार हैं, वित्तीय लक्ष्यों की क्रमबद्ध और व्यवस्थित उपलब्धि सुनिश्चित करते हैं। वित्तीय रिपोर्ट तैयार करना, निवेश गतिविधियों का मार्गदर्शन और समग्र धन प्रबंधन एक वित्तीय प्रबंधक के प्रमुख कर्तव्य हैं। वे वित्तीय रणनीतियों को विकसित करके अपने स्थायी लक्ष्यों को प्राप्त करने में संगठन की मदद करते हैं। अगर किसी कंपनी का वित्तीय प्रबंधन बेहतर होता है तो मुश्किल हालातों में भी कंपनी का अस्तित्व संकट में नहीं आता।

एजुकेशन एक्सपर्ट्स कहते हैं कि फाइनेंस मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॉरियर देख रहे छात्रों के पास वित्तीय विश्लेषण व रचनात्मक सोच का होना बेहद जरूरी है। इसके अलावा उनके पास अच्छा संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स होना चाहिए। इतना ही नहीं, उन्हें वर्तमान वैश्विक- राष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य के बारे में ज्ञान को हमेशा अपडेट करते रहना चाहिए। साथ ही अच्छे गणितीय और विश्लेषणात्मक कौशल, नवीनतम कंप्यूटर प्रौद्योगिकी का ज्ञान, समस्या-समाधान, निर्णय लेने और संगठन कौशल उनके काम को काफी आसान बनाता है। चूंकि वित्तीय प्रबंधकों को एक फर्म में विभिन्न विभागों के साथ बड़े पैमाने पर काम करना पड़ता है, इसलिए व्यवसाय की व्यापक समझ आवश्यक है। किसी भी विदेशी भाषा में प्रवीणता इस पेशे में एक अतिरिक्त लाभ है।

योग्यता

भारत के अधिकांश बिजनेस स्कूल में एमबीए की पढ़ाई के दौरान फाइनेंस को अलग से पढ़ाया जाता है। इस प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए छात्र का ग्रेजुएट होना जरूरी है। एमबीए के अलावा आप इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, ग्रेजुएट व पोस्टग्रेजुएट कोर्स करके भी बतौर प्रोफेशनल काम कर सकते हैं। फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित पाठ्यक्रमों में से कुछ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिसिस (सीएफए), चार्टर्ड अकाउंटेंसी, कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी, सर्टिफाइड ट्रेजरी मैनेजर कोर्स, सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट कोर्स, सर्टिफाइड इन्वेस्टमेंट बैंकर कोर्स, सर्टिफाइड रिस्क एंड इंश्योरेंस मैनेजमेंट कोर्स आदि हैं। इन कोर्स को ज्वॉइन करने के लिए कामर्स या इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन होना अनिवार्य है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। सरकारी एजेंसियां, निजी कॉर्पोरेट और वित्तीय संगठन जैसे बैंक और बीमा उद्योग आदि अपने प्रतिष्ठानों में वित्तीय प्रबंधकों को नियुक्त करते हैं। यहां तक कि दान संगठनों जैसे गैर-लाभकारी संगठनों को भी एक वित्त प्रबंधकों की आवश्यकता होती है। हालांकि वित्त में एक संभावित उम्मीदवार से यह उम्मीद की जाती है कि वह किसी बड़े कॉर्पोरेट में जाने से पहले किसी भी छोटे संगठनों में कुछ पेशेवर अनुभव हासिल करे। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आप सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी जॉब की तलाश कर सकते हैं।

कॅरियर कोच कहते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके कार्य कौशल और अनुभव के आधार पर बढ़ती जाती है। एमबीए करने के पश्चात एक फ्रेशर 10000 से 30000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी 50000 रूपए से लेकर लाखों रूपए प्रतिमाह तक हो सकती है।

'धुरंधर' के बाद 'प्रलय' में नजर आएंगे रणवीर सिंह

रणवीर सिंह 'धुरंधर' के बाद फिल्म 'प्रलय' में नजर आएंगे। 'प्रलय' का निर्माण 2026 के बीच में शुरू हो जाएगा। इसके निर्माता हंसल मेहता ने हाल ही में जॉम्बी पर आधारित अपनी इस फिल्म के बारे में खुलकर बात की।

कितना है 'प्रलय' का बजट?

इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता करेंगे। जय, हंसल मेहता के बेटे हैं। उन्होंने अपने पिता के साथ 'स्कैम 1992' का सह-निर्देशन किया था। फिल्म हंसल मेहता की कंपनी के बैनर तले बनेगी। रणवीर सिंह की प्रोडक्शन कंपनी भी सह-निर्माता है। फिल्म का बजट लगभग 300 करोड़ रुपये बताया जा रहे है।

'प्रलय' की कहानी?

हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया की एक खबर के अनुसार, फिल्म 'प्रलय' एक सर्वनाश (अपोकैलिप्स) के बाद की दुनिया की कहानी है, जिसमें जॉम्बी का आतंक फैला हुआ है। यह जोस सारामागो के प्रसिद्ध उपन्यास 'ब्लाइंडनेस' का रूपांतरण नहीं है। इसकी कहानी जय मेहता और विशाल कपूर ने मिलकर लिखी है। हंसल मेहता ने कहा कि 'ब्लाइंडनेस' जैसी किताब को फिल्म में अच्छे से नहीं उतारा जा सकता।

'प्रलय' की स्टार कास्ट

रणवीर सिंह के अलावा फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर कल्याणी प्रियदर्शन नजर आएंगी। कल्याणी प्रियदर्शन, मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन की बेटी हैं। उनकी हाल की फिल्म 'लोका' काफी चर्चित रही है। फिल्म का शूटिंग 2026 के बीच में शुरू हो सकती है। फिल्म में एक अंतरराष्ट्रीय टीम भी काम करेगी।

विजय संग लिंकअप की रूमर्स के बीच तृषा का क्रिप्टिक पोस्ट

अभिनेत्री तृषा कृष्णन का नाम काफी वक्त से एक्टर विजय थलापति के साथ जोड़ा जा रहा है। लिंक अप की इन कथित अफवाहों के बीच तृषा ने हाल ही में एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। इसमें प्यार और जिंदगी को लेकर जिक्र किया गया है। उनके इस पोस्ट ने सबका ध्यान खींचा है।

'प्यार ही सबकुछ नहीं है'

अभिनेता थलापति विजय अब राजनीति में सक्रिय हैं। वे तमिलनाडु चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। तमाम राजनीतिक चर्चाओं के बीच विजय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में हैं। उनका नाम तृषा से जोड़ा जा रहा है। इस बीच तृषा के इस क्रिप्टिक पोस्ट ने ऐसी चर्चाओं को और हवा दे दी है। बीते कुछ दिनों से तृषा चुप थीं, मगर हाल ही में उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है, जिसने सबका ध्यान खींचा है। तृषा कृष्णन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने एक तस्वीर लगाई है, जिस पर कोट लिखा है, 'प्यार ही सब कुछ नहीं है, फिर भी प्यार के बिना सब कुछ बेमानी है। यही फैक्ट है'।

जिंदगी के ऐसे मोड़ पर हूं...

इसके अलावा तृषा ने एक वीडियो भी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट किया है। इसकी लाइनें कुछ इस तरह हैं, 'मैं अपनी जिंदगी के ऐसे मोड़ पर हूं, जहां अब मैं बहस नहीं करती। अगर आप कहते हैं कि हाथी उड़ सकता है, तो आप बिल्कुल सही हैं। इसलिए नहीं कि मैं आपकी बात से सहमत हू, बल्कि इसलिए कि मुझे आपको समझाने की इतनी परवाह नहीं है। मैंने एक जरूरी बात सीखी है कि सही होने से ज्यादा कीमती मन की शांति है। चुप रहना, किसी को कुछ समझाने से कहीं ज्यादा आसान है और हर कोई इस लायक नहीं होता कि आप अपनी ऊर्जा उस पर खर्च करें'।

विजय की शादी में आ चुकी है दरार?

एक्टर विजय अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने से पहले अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते दिनों उनकी पत्नी संगीता ने तलाक के लिए कोर्ट का रुख किया था और वे अर्जी दाखिल कर चुकी हैं। संगीता ने विजय पर बेवफाई के आरोप लगाते हुए वेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की है। एक्टर विजय को कई कार्यक्रमों में तृषा के साथ देखा गया, जिसके बाद दोनों के अफेयर की अटकलें लगने लगी थी। तृषा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म 'करुप्पु' में अभिनेता सूर्या के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 मई को रिलीज होने वाली है।

रोमांस छोड़ बॉक्सिंग का पंच लगाएंगे पुलकित सम्राट, ग्लोरी का टीजर रिलीज

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा स्टारर स्पोर्ट्स थ्रिलर 'ग्लोरी' का टीजर आज सामने आया है। रोमांस छोड़कर इस बार पुलकित बॉक्सिंग करते नजर आएंगे। टीजर को देखने के बाद फैंस इस सीरीज के लिए और पुलकित सम्राट को इस अंदाज में देखने के लिए काफी उत्सुक हैं। हरियाणा की ब्रूटल और इमोशनली चार्ज बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित 'ग्लोरी' का टीजर पारंपरिक स्पोर्ट्स ड्रामा से इतर एक जटिल कहानी की ओर इशारा करता है। इसमें बदला, महत्वाकांक्षा और टूटे हुए रिश्ते आपस में टकराते हैं। 1 मिनट 11 सेकंड के इस टीजर में बॉक्सिंग, मर्डर, सस्पेंस, पॉवर और थ्रिलर देखने को मिलता है। टीजर में त्याग, बलिदान और कष्ट की बात की जाती है।

1 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी सीरीज

करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित 'ग्लोरी' में दिव्येंदु शर्मा और पुलकित सम्राट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा सीरीज में 'धुरंधर' फेम सुविंदर विक्की, आशुतोष राणा, यशपाल शर्मा और सिकंदर खेर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। एटॉमिक फिल्म्स के तहत निर्मित 'ग्लोरी' 1 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी।

पुलकित और दिव्येंदु के लिए महत्वपूर्ण है 'ग्लोरी'

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा के लिए 'ग्लोरी' काफी अहम है, क्योंकि दोनों को अपने करियर में एक बड़ी सफलता की जरूरत है। पुलकित सम्राट के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार 'राहु केतु' में नजर आए थे। जबकि दिव्येंदु शर्मा आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई 'साली मोहब्बत' में नजर आए थे। उनकी आगामी फिल्म में राम चरण की पैन इंडिया फिल्म 'पेद्दी' भी शामिल है।

साउथ के निर्देशक की फिल्म से टाइगर ब्रेक करेंगे एक्शन इमेज

हिंदी सिनेमा के 'एक्शन आइकन' कहे जाने वाला टाइगर श्रॉफ अपने करियर के सबसे अहम मोड़ पर खड़े हैं। 'गणपत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' के उम्मीद से कम प्रदर्शन के बाद टाइगर ने अब अपनी रणनीति बदल दी है। अब वह सिर्फ स्टंट और फिटनेस के दम पर नहीं, बल्कि 'कंटेंट ड्रिवन' एक्शन फिल्मों पर दांव लगा रहे हैं। 10 अप्रैल से मुंबई में उनके एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की शुरुआत हो रही है। टाइगर ने अपनी अगली फिल्म के लिए कन्नड़ निर्देशक सचिन रवि के साथ हाथ मिलाया है, जो 'अवाने श्रीमन्नारायण' जैसी तकनीकी रूप से मजबूत फिल्म के लिए जाने जाते हैं।

रीक्रिएट होगा 1980 के दशक का मुंबई

टाइगर की इस फिल्म में 1980 के दशक के मुंबई को रीक्रिएट किया जाएगा, जबकि क्लाइमैक्स यूरोप में शूट होगा। इसे टाइगर के करियर का सबसे अहम रीइन्वेंशन प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इसके अलावा टाइगर ने अपनी मशीनी एक्शन हीरो वाली इमेज को तोड़ने के लिए 'लग जा गले' भी साइन की है। राज मेहता इसके निर्देशक हैं।

टाइगर ने अपनी फीस कम की

टाइगर की फिल्मों में अब विलेन और कास्टिंग पर खास ध्यान दिया जा रहा है। साउथ से शिवा राजकुमार या उपेंद्र जैसे साउथ स्टार्स को लाने की तैयारी है, जबकि 'वज्र' में जयदीप अहलावत या के के मेनन जैसे दिमाग से खेलने वाले विलेन पर विचार हो रहा है। साथ ही खबर है कि टाइगर ने अपनी फीस में भी कटौती की है, ताकि फिल्मों का बजट संतुलित रहे और ओटीटी-सैटेलाइट डील के जरिए पहले ही 50% रिकवरी सुनिश्चित हो सके।

'बागी 5' को भी पूरी तरह रीबूट करने की तैयारी में हैं साजिद नाडियाडवाला

फिल्म समीक्षकों का तर्क है कि दर्शक अब केवल टाइगर के सिक्स पैक एब्स देखने के लिए थिएटर नहीं आते। वहीं 'बागी 4' की असफलता के बाद साजिद नाडियाडवाला अब दक्षिण भारतीय निर्देशक ए. हर्षा के साथ मिलकर 'बागी 5' को पूरी तरह रीबूट करने की तैयारी में हैं।

'रैम्बो' और 'वज्र' से लेंगे बड़े रिस्क और नए जोनर में एंट्री

टाइगर के लाइनअप में 'रैम्बो' सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसका बजट 200 करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है। यह सिर्फ रीमेक नहीं, बल्कि भारतीय परिवेश में री-इमेजिन की गई फिल्म होगी, जिसकी शूटिंग लद्दाख, जॉर्जिया और आइसलैंड में होगी। वहीं राम माधवानी के साथ 'वज्र' को एक 'ग्रैंड स्केल स्पिरिचुअल एक्शन' फिल्म बताया जा रहा है, जिसमें भारतीय दर्शन का पुट होगा। इसकी शूटिंग ऋषिकेश, वाराणसी और नेपाल में की जाएगी। यह टाइगर के लिए एक ऐसा क्षेत्र है जहां उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया।

मजबूरी में लेखक-डायरेक्टर बना इमरान सर के गानों पर स्कूल में नाचा हूं

'गुडाचारी', 'मेजर' और 'हिट द सेकंड केस' जैसी कामयाब फिल्मों के लिए मशहूर साउथ सिनेमा के युवा स्टार अदिवि शेष अब एक और ऐक्शन-रोमांस से भरपूर फिल्म 'डकैत' लेकर आ रहे हैं। इसी सिलसिले में उनसे खास बातचीतः

'कर्मा' और 'किस' जैसी शुरुआती फिल्मों में आप ऐक्टर के साथ राइटर-डायरेक्टर भी रहे। अभी डायरेक्शन से दूरी बना रखी है। क्या वापस यह डबल रोल निभाने का इरादा है?

'कर्मा' बनाने के बाद ही मुझे अहसास हुआ कि मैं अच्छा डायरेक्टर नहीं हूं। असल में, लेखन और निर्देशन मेरी मजबूरी थी क्योंकि बतौर ऐक्टर ऐसे रोल नहीं मिल रहे थे, जैसा मैं करना चाहता था। जिस तरह की स्क्रिप्टस मुझे पसंद थी, वे मिल नहीं रही थी। मुझे यह भी नहीं पता था कि इंडस्ट्री के अंदर कैसे आना है? वह विश्वसनीयता और सम्मान कैसे कमाऊं? तो मैंने खुद फिल्में लिखीं और बनाईं। वो मेरी जरूरत थी। फिर, बाद में जब वो जगह बन गई तो मैं वो (ऐक्टिंग) कर रहा हूं, जो हमेशा से करना चाहता था। राइटिंग भी मेरी ऐक्टिंग को ही मजबूत करने का जरिया है।

'डकैत' में आप अपने फैंस के पसंदीदा ऐक्शन अवतार में हैं। इन दिनों ऐक्शन का दौर चल भी खूब रहा है। हालांकि, उसमें हिंसा और वीभत्स सीन पर भी काफी जोर दिख रहा है। आप इसकी क्या वजह मानते हैं?

'डकैत' ऐक्शन फिल्म नहीं है। यह लव स्टोरी में ऐक्शन है। इसमें दो पूर्व प्रेमी हैं, जो कभी एक दूसरे से प्यार करते थे। अब ऐसे माहौल में मिले हैं जहां डकैती हो रही है। गोलियां चल रही हैं। इन सबके बीच उनके पुराने प्यार का क्या होता है, ये कहानी है। रही हिंसा की बात तो अभी जमाना ही ऐसा है। दुनिया में जिस बेरहमी से मिसाइलें दागी जा रही हैं, वो हम सब देख रहे हैं। मुझे लगता है कि फिल्मों से ज्यादा हिंसा अभी असल दुनिया में है। रही बात ट्रेंड की, तो मुझे लगता है कि कोई भी ट्रेंड तब तक रहता है, जब तक दूसरा उसे तोड़ नहीं देता। मैंने यश चोपड़ा जी का एक इंटरव्यू पढ़ा था जिसमें वे कह रहे थे कि एक दिन मरीन ड्राइव पर उन्होंने देखा कि हर होर्डिंग पर 4-4 हीरो बंदूकों के साथ दिख रहे थे। ऐसे वक्त में उन्होंने 'चांदनी' बनाने की सोची, जो क्लासिक बनी। जब रोमांस अपने चरम पर था, उस दौर में 'गदर' जैसी ऐक्शन और 'लगान' जैसी देसी फिल्म सुपरहिट हुई थी।

'डकैत' में आपके खिलाफ अनुराग कश्यप विलन की भूमिका में हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

हम बहुत लकी हैं क्योंकि वह बहुत विनम्र और निष्ठावान इंसान हैं। वह इतने मशहूर राइटर-डायरेक्टर हैं, पर जितने सामान्य तरीके से काम कर रहे थे, जैसे हमसे बात कर रहे थे, मानो खुद एक स्टूडेंट हों तो बहुत अच्छा अनुभव रहा। हमने 'डकैत' को अलग अलग भाषाओं में शूट किया है। इसके हिंदी वर्जन के डायलॉग में उन्होंने काफी गाइडेंस दिया तो इंडिया के बेस्ट डायलॉग लेखक हमें फ्री में मिल गए। उनके स्किल्स से हमें बहुत मदद मिली। 145 दिनों के शूट में उन्होंने एक बार पूछा कि क्या मैं एक शॉट में आपको डायरेक्ट कर सकता हूं, वो भी बहुत ही प्यार से और उस छोटे से सीन को उन्होंने जैसे शूट किया, वो एक किस्म का मास्टर क्लास था। मैंने स्कूल में था, जब उनकी फिल्म ब्लैक फ्राइडे देखी थी, तबसे उनका फैन हूं।

आप 'डकैत' के साथ 'गुडाचारी' का सीक्वल 'जी 2' भी शूट कर रहे हैं। दोनों के बीच में तालमेल बिठाने में कोई चुनौती आई?

'जी 2' हमने थोड़ा ही शूट किया है। अभी ज्यादा ध्यान 'डकैत' पर है क्योंकि यह पहले रिलीज है। इसके बाद मैं, वामिका गब्बी, इमरान खान सर, सब फिर से उस फिल्म पर काम करना शुरू करेंगे। इन दोनों के साथ काम करने में भी बड़ा मजा आ रहा है। इमरान सर कमाल के ऐक्टर हैं। वो लेजेंड हैं। मैंने स्कूल में उनके गानों पर डांस किया है। मेरे लिए, अक्खा बॉलिवुड एक तरफ और इमरान सर के गाने एक तरफ जैसा आलम था। वहीं, वामिका को हाल ही में मैं चिढ़ा रहा था कि तुम मेरी फिल्म 'डकैत' के खिलाफ अपनी 'भूत बंगला' रिलीज कर रही हो।

विकास की नींव रखने वाले हाथों का सम्मान, श्रमिक सम्मेलन में योजनाओं की सौगात से खिले श्रमिकों

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

जगदलपुर के स्थानीय वीर सावरकर भवन में शुक्रवार को निर्माण श्रमिकों के सशक्तिकरण और उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। श्रम विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कमकार कल्याण मण्डल के मार्गदर्शन में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में विकास की रीढ़ कहे जाने वाले श्रमिकों का न केवल सम्मान किया गया, बल्कि उन्हें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। इस सम्मेलन में समूचे जिले के सुदूर अंचलों से आए बड़ी संख्या में श्रमिकों ने हिस्सा लिया, जिससे पूरा परिसर उनकी उत्साहजनक उपस्थिति से सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद बस्तर महेश कश्यप और नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में श्रमिकों को राष्ट्र का असली निर्माता बताते हुए कहा कि सरकार का मुख्य लक्ष्य अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार लाना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद महेश कश्यप ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रमिक केवल मजदूरी करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण का आधार है। उन्होंने श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए विश्वास दिलाया कि सरकार सदैव उनके साथ खड़ी है। श्री कश्यप ने शासन द्वारा श्रमिकों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न 31 योजनाओं की जानकारी और अन्य सुरक्षा योजनाओं के लाभ पर जोर देते हुए कहा कि हर श्रमिक का पंजीकरण होना अनिवार्य है ताकि शासन की मदद उन तक बिना किसी बाधा के पहुँच सके। इस अवसर पर नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

मंच से जनप्रतिनिधियों के कर-कमलों द्वारा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं के तहत सहायता राशि के चेक वितरित किए गए, जिसे पाकर श्रमिकों के चेहरों पर संतोष और खुशी के भाव स्पष्ट नजर आए। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी विशेषता मौके पर ही समाधान की रही, जहाँ श्रम विभाग द्वारा लगाए गए विशेष पंजीकरण शिविरों के माध्यम से नए श्रमिकों का तत्काल पंजीयन किया गया। श्रम पदाधिकारी भूपेंद्र नायक ने बताया कि इस मुहिम का उद्देश्य बस्तर के उन मेहनतकश लोगों को विभागीय योजनाओं के दायरे में लाना है जो अब तक जागरूकता के अभाव में लाभ से वंचित थे। इस सार्थक प्रयास से बस्तर के दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले श्रमिक भी अब सरकार की कल्याणकारी नीतियों से सीधे जुड़ सकेंगे। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक और श्रम विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित थे।

खास खबर

पंचायतों के उप निर्वाचन 2026 - निर्वाचक नामावली तैयार करने प्रथम चरण पूर्ण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन 2026 हेतु 1 अप्रैल 2026 के प्रतिनिर्देश से फोटोयुक्त निर्वाचन नामावली तैयार करने कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। पंचायतों के उप निर्वाचन 2026 अंतर्गत राजनांदगांव जिला में त्रिस्तरीय पंचायत रिक्त पदों के तहत जनपद पंचायत सदस्य के 1 पद, सरपंच के 1 पद, पंच के 25 पद कुल 27 पदों पर निर्वाचन कार्यक्रम के लिए निर्वाचक नामावली तैयार करने के प्रथम चरण का कार्यक्रम पूर्ण कर लिया गया है।

निर्वाचन नामावली तैयार करने के द्वितीय चरण कार्यक्रम के तहत 13 अप्रैल 2026 से निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन एवं दावे तथा आपत्तियां प्राप्त किया जाएगा। दावा व आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल 2026 को अपरान्ह 3 बजे तक एवं दावे व आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तारीख 23 अप्रैल 2026 तक है। प्ररूप क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 24 अप्रैल 2026, प्ररूप क-1 में प्राप्त दावा का निराकरण करने की अंतिम तिथि 27 अप्रैल 2026 तथा दावे व आपत्तियों के निराकरण आदेश के विरूद्ध अपील निराकरण आदेश पारित होने के 5 दिवस के भीतर की जा सकती है। परिवर्धन, संशोधन, विलोपन के प्रकरणों की प्रविष्टि 29 अप्रैल 2026 तक सॉफ्टवेयर में की जाएगी। चेकलिस्ट का निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जांच करवाने तथा पीडीएफ मुद्रण हेतु जिला कार्यालय को 2 मई 2026 को सौंपी जाएगी। अनुपूरक सूची का मुद्रण और अनुपूरक सूची को मूल सूची के साथ 4 मई 2026 को संलग्न किया जाएगा। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 5 मई 2026 को किया जाएगा।

पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केन्द्र के माध्यम से नागरिकों को सुगमता से मिल रही पासपोर्ट संबंधी सेवाएं

राजनांदगांव। डाक विभाग राजनांदगांव संभाग द्वारा प्रधान डाकघर राजनांदगांव में संचालित पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केन्द्र के माध्यम से क्षेत्र के नागरिकों को सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ पासपोर्ट संबंधी सेवाएं प्रदान की जा रही है। पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केन्द्र में नागरिकों के लिए पासपोर्ट आवेदन स्वीकार करना, दस्तावेज सत्यापन एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं निर्धारित समय पर पूर्ण की जा रही है। जिससे नागरिकों को दूरस्थ स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही पासपोर्ट संबंधी सुविधा प्राप्त हो रही है। सभी नागरिक प्रधान डाकघर राजनांदगांव में संचालित पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केन्द्र के माध्यम से प्रदान की जा रही पासपोर्ट संबंधी सेवाओं का निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए लाभ ले सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्रधान डाकघर पासपोर्ट केंद्र से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

उद्योग और श्रम विभाग के आपसी समन्वय से संवर रहा है - छत्तीसगढ़

उद्योग व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के जन्मदिन के अवसर पर विशेष

छगन लाल लोन्हारे, उप संचालक जनसम्पर्क रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जिस स्पष्ट नीति के साथ श्रमिकों और उद्योगों के समन्वित विकास को प्राथमिकता दी है, वह आज ठोस परिणामों के रूप में सामने आ रही है। श्रम विभाग की योजनाओं में यह भावना स्पष्ट झलकती है कि श्रमिक केवल आर्थिक इकाई नहीं, बल्कि समाज की आधारशिला हैं। उनके जीवन में स्थायित्व, सम्मान और सुरक्षा लाना ही सच्चे विकास का संकेत है। 12 अप्रैल का यह विशेष अवसर उद्योग तथा श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के समर्पण, कार्यक्षमता और जनसेवा की भावना को याद करने का दिन है। आपके कुशल नेतृत्व से ही छत्तीसगढ़ प्रगति, समृद्धि और समान अवसरों का आदर्श राज्य बनकर उभरा है।

2026 रजत जयंती वर्ष में छत्तीसगढ़ के विकास की वर्तमान यात्रा केवल योजनाओं और घोषणाओं की कहानी भर नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे नेतृत्व की कथा है जिसने श्रमिक, युवा, उद्यमी और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। इस परिवर्तनकारी दौर में उद्योग व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उनका कार्य केवल प्रशासनिक दक्षता तक सीमित नहीं है बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता और दूरदर्शिता का जीवंत उदाहरण है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 25 वर्ष की अल्प आयु में उद्योग के क्षेत्र में जो एक नया इतिहास रचने का संकल्प लिया है वह किसी से छिपा नहीं है। उद्योग के क्षेत्र में आज छत्तीसगढ़ की अपनी एक अलग पहचान है। नई उद्योग नीति (2024-2030) में छत्तीसगढ़ के समावेशी विकास पर जोर दिया गया है।

श्रमिकों के सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए कदमों में सबसे प्रेरणादायक पहल श्रमिकों के बच्चों को उत्कृष्ट विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराना है। यह केवल एक योजना नहीं, बल्कि परिवर्तन का वह मार्ग है जिससे कि आने वाली नई पीढ़ी ज्ञान और अवसरों के माध्यम से अपना सुनहरा और सुरक्षित भविष्य स्वयं गढ़ सके। आज के संदर्भ में श्रमिक परिवारों के बच्चों का राज्य के प्रतिष्ठित स्कूलों में शिक्षा प्राप्त करना, एक नए छत्तीसगढ़ की तस्वीर प्रस्तुत करता है। इसके साथ ही मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को लाखों रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करना सरकार की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें प्रतिभा का सम्मान सर्वोपरि है। यह न केवल उन बच्चों के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि पूरे श्रमिक समाज के लिए आत्मविश्वास का स्त्रोत भी है।

उद्योग और श्रम विभाग से आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पिछले दो वर्षों में सैकड़ों करोड़ रुपये सीधे श्रमिकों के खातों में हस्तांतरित किए गए हैं, जिससे न केवल पारदर्शिता बढ़ी है, बल्कि सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभ भी सुनिश्चित हुआ है। प्रतिदिन हजारों श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलना इस बात का प्रमाण है कि शासन की नीतियां धरातल पर प्रभावी रूप से लागू हो रही हैं। श्रमिकों के जीवन को अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने के लिए आवास सहायता, शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना, दुर्घटना में त्वरित आर्थिक सहयोग जैसी पहलें अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। विशेष रूप से श्रम अन्न योजना के अंतर्गत मात्र 5 रुपये में गरम और पौष्टिक भोजन। श्रम अन्न योजना के अंतर्गत मात्र 5 रुपये में गरम और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना, एक मानवीय और संवेदनशील शासन का परिचायक है।

औद्योगिक विकास के क्षेत्र में भी मंत्री लखनलाल देवांगन के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने नई ऊंचाईयों को छुआ है। औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के माध्यम से राज्य में निवेशको को प्रोत्साहित करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। करोड़ों रुपये के निवेश प्रस्ताव, सैकड़ों नए उद्योगों की स्थापना और हजारों युवाओं को रोजगार मिलना इस नीति की सफलता को प्रमाणित करता है।

नवा रायपुर में देश का पहला एआई डाटा सेंटर स्थापित करने की दिशा में बढ़ता कदम, सेमीकंडक्टर और आईटी जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश, तथा स्टार्टअप नीति का क्रियान्वयन ये सभी पहलें छत्तीसगढ़ को पारंपरिक अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ाकर आधुनिक तकनीकी युग में स्थापित कर रही हैं। यह बदलाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना को भी नई दिशा देने वाला है। प्रशासनिक सुधारों के क्षेत्र में ई-निविदा प्रणाली और सिंगल विंडो सिस्टम जैसे कदमों ने पारदर्शिता को बढ़ाया है जिससे निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ है और राज्य में व्यापार करने की प्रक्रिया सरल बनी है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ आज निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनता जा रहा है।

सामाजिक समावेशन को छत्तीसगढ़ सरकार ने अपनी विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन, कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल और दूरस्थ क्षेत्रों में औद्योगिक विकास की योजनाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। सामाजिक समावेश नही किसी भी राज्य की वास्तविक प्रगति का आधार होता है।

उद्योग तथा श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने गंभीर व दूर-दृष्टि सोच एवं विभागीय दायित्वों के माध्यम से यह सिद्ध किया है कि यदि नेतृत्व में संवेदनशीलता और स्पष्ट दृष्टि हो, तो विकास केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाता है। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार के मार्गदर्शन में यह परिवर्तन और अधिक सशक्त और व्यापक रूप ले रहा है।

परिवहन विभाग ने स्कूल वाहनों की विशेष जांच कर की कार्रवाई, वाहनों को किया गया जप्त

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

परिवहन विभाग द्वारा बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल वाहनों की विशेष जांच एवं प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजनांदगांव आनंद शर्मा के बताया कि जांच एवं प्रवर्तन के दौरान स्कूल बसों एवं अन्य वाहनों में फिटनेस प्रमाण पत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र, फायर सेफ्टी उपकरण सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं एवं दस्तावेजों की गहन जांच की। जांच के दौरान वाहनों में खामियां पाए जाने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान श्रीवेद पब्लिक स्कूल मोहारा की स्कूल बस सीजी 08 एजी 1365 एवं सीजी 08 एजी 1366 में वैध फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र एवं कर (टैक्स) के दस्तावेज लंबित थे। संबंधित अनियमितताओं के कारण दोनों बसों को मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत जप्त कर पुलिस थाना मोहारा में सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षित खड़ा किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार इससे पूर्व भी श्रीवेद पब्लिक स्कूल मोहारा की एक बस के विरूद्ध कार्रवाई की जा चुकी है, किंतु वाहन संचालकों द्वारा आवश्यक दस्तावेजों के नवीनीकरण के प्रति अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई गई।

इसी तरह दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव के स्कूल बस सीजी 08 एम 0237, मैजिक सीजी 08 एएक्स 1835, मैजिक सीजी 08 वाय 1432 जांच के दौरान निर्धारित फिटनेस, बीमा एवं अन्य निर्धारित मानकों की शर्तों में कमी पायी गई। इन वाहनों के विरूद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जप्त कर कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय अधिकारी राजनांदगांव में सुरक्षार्थ सुरक्षित खड़ा किया गया है। संबंधित वाहन संचालकों को शीघ्र आवश्यक दस्तावेजों का नवीनीकरण कर नियमानुसार वाहन का संचालन करने के निर्देश दिए गए। परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहनों की सुरक्षा एवं वैधता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी इस प्रकार की सघन जांच एवं कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। कार्रवाही में निरीक्षक प्रशांत शर्मा, उपनिरीक्षक अनीश बघेल तथा उपनिरीक्षक श्रीमती प्रभा तिवारी शामिल थे।

जिला पंचायत सीईओ ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमालता पद्धाकर द्वारा जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर संचालित विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत चारभाटा, पंडरभट्ठा, ढोलिया एवं झाल में चल रहे मनरेगा अंतर्गत तालाब गहरीकरण कार्य, डबरी निर्माण कार्य तथा आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्यों का अवलोकन किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों की गुणवत्ता एवं प्रगति की भी समीक्षा की गई। ग्राम पंचायत ढोलिया में स्थापित फीकल स्लज मैनेजमेंट (फाइकल स्लज मैनेजमेंट) प्लांट का भी मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने मौके पर उपस्थित ग्राम पंचायत सचिव एवं महिला स्व-सहायता समूहों को स्वच्छता बनाए रखने तथा प्लांट का नियमित एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत बिटकौली में राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को राजस्व संबंधी कार्यों का गंभीरता एवं तत्परता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती पद्धाकर ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर ग्रामीणों तक पहुंच सके। निरीक्षण के दौरान स्थानीय स्तर पर चल रहे कार्यों की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी दिए और बेहतर क्रियान्वयन पर बल दिया।

वोरा और मेनन की उपस्थिति में दूसरे दिन भी संगठन पर किया फोकस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए लगातार दूसरे दिन भी बैठकों का दौर जारी रहा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज एवं संगठन प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेदु के निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान के तहत रायपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की मंडल अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

यह बैठक दुर्ग शहर के पूर्व विधायक एवं पर्यवेक्षक अरुण वोरा के मुख्य आतिथ्य तथा रायपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में शहर के 42 मंडलों के अध्यक्षों की भागीदारी रही, जहां पार्टी के प्रति समर्पित, सक्रिय एवं जुझारू युवाओं की टीम का गठन तत्काल करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक के दौरान सभी मंडल अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों के कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की। इनमें से 42 में से 29 मंडलों के कार्यों पर मुख्य अतिथि अरुण वोरा एवं जिला अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने संतोष व्यक्त किया, जबकि शेष 13 मंडल अध्यक्षों को अपने कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

पार्टी के पूर्व निर्देशों के अनुरूप अधिकांश मंडल अध्यक्ष अपनी-अपनी प्रबंधकारिणी समिति की सूची जिला कार्यालय में जमा कर चुके हैं। शेष मंडलों को भी कल तक अपनी सूची जमा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि संगठनात्मक प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा सके। सूत्रों के अनुसार, लगभग 80% मंडल कमेटियां तैयार हो चुकी हैं, जबकि बाकी भी जल्द पूर्णता की ओर हैं।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मंडल स्तर के बाद अब बूथ कमेटियों के गठन की प्रक्रिया को भी तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे संगठन को और मजबूती मिल सके।

इस अवसर पर कांग्रेस के छाया सांसद विकास उपाध्याय, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, एजाज ढेबर, वरिष्ठ नेता प्रमोद चौबे, सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अरुण ताम्रकार, सूर्यमणि मिश्रा, डॉ. अनुराग साहू, अविनय दुबे, गौरीशंकर पांडे, लक्ष्मण चंद्राकर, ईश्वर चक्रधारी, राकेश धोतरे, सुरेश बुधवानी, दीपक चौबे, राज देवांगन, सुशांत डे, अनिल रायचुरा सहित अनेक वरिष्ठ नेता एवं ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त भारत अभियान, साजा में घर-घर पहुंच रहा स्वास्थ्य दल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिले में निक्षय निरामय फेज 0.2 के तहत 100 दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत साजा ब्लॉक में स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा घर-घर जाकर संभावित टीबी मरीजों की पहचान की जा रही है।

अब तक स्वास्थ्य टीमों द्वारा एक लाख से अधिक परिवारों तक पहुंच बनाई जा चुकी है। चिन्हित संभावित मरीजों का आगे छाती का एक्स-रे एवं बलगम जांच कराई जाएगी। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार, सीएमएचओ डॉ. अमृत लाल रोहलेकर, जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ. बी.एल. राज एवं कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे के नेतृत्व में संचालित हो रहा है।

साजा ब्लॉक में बीएमओ डॉ. अश्वनी वर्मा एवं बीपीएम लोकेश साहू के मार्गदर्शन में 500 से अधिक लोगों का टीम गठन किया गया है। इन टीमों द्वारा विशेष रूप से उच्च जोखिम (वनरेबल समूह), पूर्व टीबी मरीज एवं उनके परिजन, धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, मधुमेह (शुगर) के मरीज, नशा करने वाले व्यक्ति, मलिन बस्ती एवं हाई-रिस्क समूह का सर्वे कर संभावित मरीजों को जांच हेतु प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही टीबी के संभावित मरीजों का बलगम (खखार) जांच के लिए प्रेरित किया जा रहा है,

इस अभियान में मितानिनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर, उप स्वास्थ्य केंद्रों में ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, सीएचओ एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। सेक्टर स्तर पर सुपरवाइजर एवं प्रभारी अधिकारियों द्वारा सतत निरीक्षण किया जा रहा है। साजा ब्लॉक में वरिष्ठ उपचार प्रवेक्षक पुरन दास द्वारा भी नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। निक्षय मित्रों द्वारा टीबी मरीजों को पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है।

भिलाई शहर में बढ़ा पीलिया का प्रकोप, चपेट में कई बच्चे, स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई के सेक्टर-7 इलाके में पीलिया का प्रकोप लगातार बढ़ता नजर आ रहा है। सेक्टर-7 के सड़क 37 और 38 के आसपास करीब 145 मकानों में रहने वाले कई बच्चे पीलिया से संक्रमित पाए गए हैं। बच्चों के चेहरे और आंखों में पीलापन साफ दिख रहा है, जिससे इलाके में डर का माहौल बना हुआ है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को सर्वे कर 15 नए मरीजों की पहचान की है। इनमें दो बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां पहले से भर्ती दो मरीजों को छुट्टी दे दी गई है, जबकि अब कुल चार बच्चों का इलाज चल रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे ने बताया कि टीम ने प्रभावित क्षेत्र के 110 घरों का सर्वे किया। इस दौरान बच्चों और बड़ों की जांच की गई। तीन घरों से पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज की माइक्रोबायोलॉजी लैब भेजा गया है। वहीं बीएसपी प्रबंधन और भिलाई निगम की टीम ने भी पानी के सैंपल लिए हैं। अधिकारियों ने अपील की है कि क्षेत्र के लोग उबला हुआ पानी पिएं, बाहर का खाना न खाएं, साफ-सफाई का ध्यान रखें और लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल में जांच कराएं। फिलहाल प्रशासन का कहना है कि

स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन निगरानी जारी रहेगी।

नालियों में डूबी पाइपलाइन को बदलने का काम शुरू बीएसपी प्रबंधन ने इलाके में गटर में डूबी पाइप लाइन को बदलने का काम शुरू कर दिया है। मुख्य पाइप लाइन से लेकर घरों तक की पुरानी पाइप लाइन हटाकर नई लाइन डाली जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पाइप लाइन में गंदा पानी मिलने की आशंका है, इसलिए इसे पूरी तरह बदला जा रहा है। जल संकट की स्थिति न बने, इसके लिए भिलाई निगम प्रशासन ने प्रभावित इलाके में टैंकर से पीने के पानी की सप्लाई शुरू कर दी है। लोगों से साफ और उबला हुआ पानी पीने की सलाह दी जा रही है।

25 से ज्यादा मरीज आ चुके हैं सामने

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अब तक कुल 25 बच्चे पीलिया की चपेट में आ चुके हैं। शुक्रवार को जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे के मार्गदर्शन में सिविल हॉस्पिटल सुपेला के प्रभारी डॉ. पियाम सिंह, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट रितिका सोनवानी, सुपरवाइजर विजय सेजुले, बीईटीओ हितेंद्र कोसरे और स्थानीय स्वास्थ्य टीम ने क्षेत्र का दौरा किया और लोगों से बातचीत की। डॉक्टरों के अनुसार पीलिया गंदे पानी और दूषित भोजन से फैलने वाली बीमारी है। इसके लक्षण 15 से 50 दिनों के बीच दिखाई देते हैं। मरीज को भूख कम लगना, पेशाब पीला होना, उल्टी आना, कमजोरी, सिर दर्द, पेट के दाहिने हिस्से में दर्द और आंख व त्वचा पीली होना जैसे लक्षण दिखते हैं।

खरीदी केंद्रों में सड़ रहा किसानों का 'सोना' : दो माह बाद भी 40% धान का उठाव बाकी

राजनांदगांव। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य संपन्न हुए सवा दो महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन केंद्रों से धान का उठाव न होने के कारण स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। आलम यह है कि खुले आसमान के नीचे रखा किसानों का 'सोना' यानी धान अब खरीदी केंद्रों में ही सड़ने लगा है।

धान खरीदी प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिवहन की गति बेहद धीमी है। वर्तमान में जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों में लगभग 21 लाख क्विंटल धान अब भी रखा हुआ है, जो कुल खरीदी का लगभग 40 प्रतिशत है। बेमौसम बारिश ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। खुले में रखा धान भीगने के कारण खराब हो रहा है और बढ़ती गर्मी से उसके सूखने (सुखत) का बोझ भी समितियों पर बढ़ रहा है।

मटेरियल मैनेजमेंट की कमी भी सामने आ रही है। केंद्रों में रखे बारदाने फट चुके हैं, जिससे धान जमीन पर बिखर रहा है। नए बारदाने उपलब्ध न होने के कारण कमर्चारी पुराने फटे बारदानों में ही धान भरने को मजबूर हैं। इससे न केवल धान की बर्बादी हो रही है, बल्कि दोबारा भराई में समितियों को अतिरिक्त मेहनत और खर्च करना पड़ रहा है।

शुरुआत में धान के परिवहन की गति ठीक थी, लेकिन पिछले कुछ समय से राइस मिलर्स द्वारा धान का उठाव नहीं किया जा रहा है। मिलर्स की इस सुस्ती का सीधा खामियाजा समितियों और किसानों को भुगतना पड़ रहा है। यदि जल्द ही उठाव सुनिश्चित नहीं किया गया, तो आगामी मानसून और बढ़ते तापमान के कारण धान की गुणवत्ता पूरी तरह नष्ट हो सकती है।

मुख्य आंकड़े एक नजर में: कुल पंजीकृत किसानः 1 लाख 21 हजार 100, कुल धान खरीदीः 52.54 लाख क्विंटल, केंद्रों में शेष धानः लगभग 21 लाख क्विंटल (40%), परिवहन में देरी, फटे बारदाने और बेमौसम बारिश। समितियों ने प्रशासन से मांग की है कि धान का उठाव तत्काल तेज किया जाए ताकि होने वाले आर्थिक नुकसान से बचा जा सके।

अहिवारा में जनगणना सुपरवाइजर-प्रगणक प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

शासकीय नागरिक कल्याण परिसर, नंदिनी नगर अहिवारा में तहसील कार्यालय द्वारा 11 अप्रैल से जनगणना कार्यों के लिए सुपरवाइजर एवं प्रगणकों का प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 अप्रैल तक संचालित किया जाएगा।

शिविर के तहत चयनित सुपरवाइजर और प्रगणकों को जनगणना से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान सर्वे प्रक्रिया, डेटा संग्रहण, फॉर्म भरने की विधि एवं शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की समझ विकसित कराई जा रही है, ताकि सभी कर्मी अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें। तहसील कार्यालय ने सभी संबंधित अध्यथियों से निर्धारित तिथियों में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करने की अपील की है। प्रशासन के अनुसार, इस प्रशिक्षण से क्षेत्र में जनगणना कार्य अधिक सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सकेगा।

युद्ध ने कांग्रेस के नेताओं को बना दिया है अर्थशास्त्री- अशोक चौधरी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भारतीय जनता पार्टी के किसान नेता अशोक चौधरी ने कहा कि ईरान और अमेरिका युद्ध के बाद विभिन्न पार्टियों के खास तौर पर कांग्रेस के बहुत से नेता अर्थशास्त्री बन गए हैं और मोदी की गलत नीतियों के कारण महंगाई बढ़ने की बात कर रहे हैं ज्ञात हो कि कांग्रेस के नेहरू जी के प्रधानमंत्री काल में 1950 में 25 से 30 पैसे प्रति किलो चावल मिलता था 1960 में मोटा चावल 50पैसे और पतला चावल एक रुपए किलो मिलता था अथर्शास्त्री मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री काल में 2010 में मोटा चावल 25 किलो और पतला चावल35 किलो मिलता था तो कांग्रेस के अथर्शास्त्री नेता बताएं की इन दोनों 25 पैसे से 25रुपये तक की महंगाई जो लगभग 100 गुना होती है, वह क्या मोदी जी ने बढ़ाया था की अथर्शास्त्री मनमोहन सिंह ने बढ़ाया था दुनिया में समय-समय पर सभी देशों में महंगाई बढ़ी है उसके मुकाबले भारत में आम जनता की जरूरत की चीज आज भी सस्ते दाम पर मिल रही है। अमेरिका इजरायल और ईरान युद्ध के बीच अमेरिका जहां बहुतायत में तेल है वहां पर लगभग 60% पेट्रोलियम पदार्थों में वृद्धि की गई है। दुनिया के दूसरे बड़े देश चीन में पेट्रोलियम पदार्थ लगभग 40% की बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में भारत में पेट्रोलियम पदार्थों पर कोई वृद्धि नहीं हुई है अथर्शास्त्री कांग्रेस नेता यह कहने को बेताब हो जाएंगे की गैस के दाम बढ़ाए गए हैं लेकिन जब हम विकसित देशों की तुलना में भारत के रेट देखेंगे तो हमें गर्व महसूस होगा कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने ऐसे कठिन समय में भी जनता का पूरा ध्यान रखा है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेताओं को भाजपा सरकार का विरोध करना है, इसलिए कुछ भी अनाप-शनाप बयान देते हैं। अपने शासनकाल में जो 100 गुना महंगाई बढ़ी थी उसका भी कारण उन्हें ढूंढना चाहिए। जब कांग्रेस अपने शासनकाल को आईने में देखेगी तो उन्हें अपने चेहरे पर कालीख पुताई हुई दिखेगी।

निजी स्कूलों में शिक्षा या शोषण : प्ले स्कूलों की 'फीस लूट' ने बढ़ाई अभिभावकों की चिंता

विशेष रिपोर्ट : नन्हे बच्चों के कंधों पर मुनाफे का भारी बोझ

नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव

आज के दौर में शिक्षा एक सेवा नहीं, बल्कि एक चमक-धमक वाला व्यापार बन चुकी है। विशेष रूप से 'प्ले स्कूल' और 'प्री-नर्सरी' के नाम पर निजी स्कूलों ने लूट का जो जाल बुना है, उसने मध्यमवर्गीय और निम्न-मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर तोड़ कर रख दी है। 3 साल के नन्हे बच्चों को स्कूल भेजने की अभिभावकों की मजबूरी और उनके बेहतर भविष्य की चाहत का फायदा उठाकर स्कूल संचालक चांदी काट रहे हैं।

दाखिल होते ही जेब साफ

एक सामान्य प्री-नर्सरी स्कूल के फीस ढांचे पर नजर डालें तो आंकड़े चौंकाने वाले हैं। महज तीन साल के बच्चे के लिए, जिसे अभी ठीक से बोलना भी नहीं आता, भारी-भरकम फीस वसूली जा रही है: पंजीकरण 500 से 1000, प्रवेश शुल्क 1000-3000, शिक्षण शुल्क 15,000, 50,000 बस सेवा 11,000 -30,000 कुल मिलाकर, साल की शुरुआत में ही एक बच्चे पर हजारों रुपये का बोझ डाल दिया जाता है। यह तो केवल शुरुआत है; इसके बाद शुरू होता है 'छिपे हुए खर्चों' का सिलसिला।

कमीशन का खेल : ड्रेस और किताबों का 'सिंडिकेट'

प्रवेश के बाद स्कूलों का अगला निशाना अभिभावकों की जेब पर ड्रेस और स्टेशनरी के नाम पर होता है। स्कूल प्रबंधन सीधे तौर पर किसी खास दुकान का नाम तय कर देते हैं या खुद स्कूल से ही सामग्री खरीदने का दबाव बनाते हैं। बाजार में जो कॉपी-किताब और ड्रेस कम दाम में उपलब्ध हो सकती है, वही चीजें स्कूलों के ठप्पे के साथ दोगुनी कीमतों पर बेची जा रही हैं। ब्रांडेड जूतों से लेकर स्कूल बैग

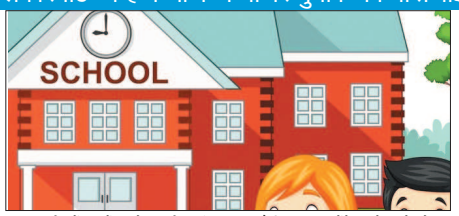

तक, हर चीज में स्कूलों का मोटा कमीशन बंधा होता है।

मजबूरी का फायदा : 'पीयर प्रेशर' का डर

अभिभावकों में एक मनोवैज्ञानिक डर बैठ गया है कि अगर उन्होंने अपने बच्चे को इन महंगे स्कूलों में नहीं भेजा, तो उनका बच्चा पिछड़ जाएगा। इसी 'लोभ' और 'सामाजिक प्रतिष्ठा' की होड़ का फायदा स्कूल संचालक उठा रहे हैं। बच्चों को "जबरदस्ती" स्कूल भेजने की इस प्रवृत्ति ने शिक्षा को एक अंधी दौड़ बना दिया है, जहां ज्ञान से ज्यादा महत्व इमारत की चमक 'और फीस की रसीद को दिया जा रहा है।

प्रशासनिक मौन पर सवाल

हैरानी की बात यह है कि हर साल फीस में होने वाली इस बेतहाशा बढ़ोतरी पर प्रशासन पूरी तरह मौन है। आखिर क्यों इन निजी संस्थानों के लिए कोई 'कैपिंग' (अधिकतम सीमा) तय नहीं की जा रही? क्या मासूम बच्चों की शिक्षा के नाम पर चल रही यह खुली लूट यूं ही जारी रहेगी। जागरूक अभिभावकों का कहना है कि यदि जल्द ही इन बेलगाम स्कूलों पर नकेल नहीं कसी गई, तो आम आदमी के लिए अपने बच्चों को अक्षर ज्ञान दिलाना भी नामुमकिन हो जाएगा।

कांति बनी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

'शिक्षा का व्यापार', नियमों को ताक पर रख अभिभावकों को लूट रहे निजी स्कूल

जिले के निजी स्कूलों में शिक्षा अब सेवा नहीं, बल्कि पूरी तरह से मुनाफाखोरी का जरिया बन चुकी है। स्कूलों और कुछ चुनिंदा दुकानदारों की 'जुगलबंदी' ने अभिभावकों की कमर तोड़ दी है। इंदौर जैसे जिलों में जहां प्रशासन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत सख्त कार्रवाई कर रहा है, वहीं राजनांदगांव में नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। जिले के अधिकांश निजी स्कूलों ने कॉपी-किताबों, यूनिफॉर्म और यहाँ तक कि जूते-मोजों के लिए भी दुकानें 'फिक्स' कर रखी हैं। खुली मोनोपोली (एकाधिकार) का आलम यह है कि : किताबें : सामान्य बाजार भाव से 4 से 5 गुना अधिक कीमतों पर बेची जा रही हैं। यूनिफॉर्म्स व जूते : स्कूलों द्वारा निर्धारित विशिष्ट दुकानों पर जूते-मोजे 4 गुना तक महंगे रेट पर बेचे जा रहे हैं।

बाध्यता : अभिभावकों को अन्य दुकानों से सामग्री खरीदने का विकल्प ही नहीं दिया जाता, जो सीधे तौर पर उपभोक्ता अधिकारों का हनन है।कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, प्रशासन के पास इन गतिविधियों को रोकने के पर्याप्त अधिकार हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिला दंडाधिकारी ऐसे प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर सकते हैं जो लोक शांति और जनसाधारण के हितों की रक्षा करें। इंदौर जिले में इसी धारा के उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत स्कूल संचालकों और दुकानदारों पर एफआईआर दर्ज की जा रही है। राजनांदगांव में भी ऐसे ही कड़े आदेशों की आवश्यकता है ताकि स्कूल प्रबंधन और दुकानदारों के बीच चल रहे इस अवैध कमीशनखोरी के गठजोड़ को तोड़ा जा सके।

अभिभावकों ने जिलाधीश का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करते हुए मांग की है कि : जिले में भी हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाए जहां पीड़ित अभिभावक बिना डरे शिकायत कर सकें। जांच दल गठित कर उन दुकानों और स्कूलों पर दबिश दी जाए जो मोनोपोली को बढ़ावा दे रहे हैं। किताबों और ड्रेस के दाम सार्वजनिक करने और किसी भी दुकान से सामान खरीदने की आजादी सुनिश्चित की जाए। यदि प्रशासन जल्द ही सख्त कदम नहीं उठाता, तो 'शिक्षा के अधिकार' की आड़ में यह 'लूट का व्यापार' आम जनता की जेब पर भारी पड़ता रहेगा।

युवा मोर्चा का बड़ा अभियान : "गांव चलो बस्ती चलो" के तहत 'टिफिन पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर, भारतीय जनता युवा मोर्चा राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर पूरे देश में सेवा और जनसंपर्क के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के मार्गदर्शन एवं युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल के नेतृत्व में भिलाई जिले के जेवरा सिरसा मंडल में "गांव चलो बस्ती चलो" कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

इस अभियान के दौरान युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव और बस्ती-बस्ती जाकर भाजपा के प्रशंसकों और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के हितग्राहियों से सीधा संपर्क किया। विशेष रूप से उन ग्रामीण परिवारों और श्रमिकों से मुलाकात की गई जिन्हें सरकारी योजनाओं के माध्यम से रोजगार और मजदूरी प्राप्त हुई है। कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से उनकी समस्याओं और योजनाओं से मिल रहे लाभों पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'टिफिन पर चर्चा' रहा। इस दौरान एक अनूठी परंपरा देखने को मिली जहाँ भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण लाभार्थी अपने-अपने घरों से टिफिन लेकर आए और एक साथ बैठकर भोजन किया। इस सामूहिक भोज ने न केवल सामाजिक समरसता का संदेश दिया, बल्कि कार्यकर्ताओं और जनता के बीच के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ किया।

कार्यक्रम के अंत में युवा मोर्चा द्वारा शासन की योजनाओं का लाभ ले रहे लाभार्थियों को स्मृति स्वरूप भेंट प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से , भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन , सरपंच धनेश नागवंशी भाजयुमो जिला महामंत्री विनय सेन जिला मंत्री सौरभ चटर्जी भाजयुमो मंडल अध्यक्ष शीतल साहू, मंडल महामंत्री द्वय भोला कुंभकार हेमलाल साहू, उपाध्यक्ष जागेश्वर साहू जितेंद्र साहू, गुलाब साहू, दिलीप वर्मा , अखिलेश सिंह ,समर पवार, नितेश सिंह, प्रवीण यादव, वेद साहू, सिद्धार्थ रावत, भावेश ढलानी, आकाश सिंह, सानू वर्मा, दीपक पटेल, एवं भाजयुमो के कार्यकर्ता जेवरा सिरसा मंडल के पदाधिकारी, युवा मोर्चा के जिला व मंडल स्तरीय कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। यह जानकारी भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी जयंत शर्मा ने दी।

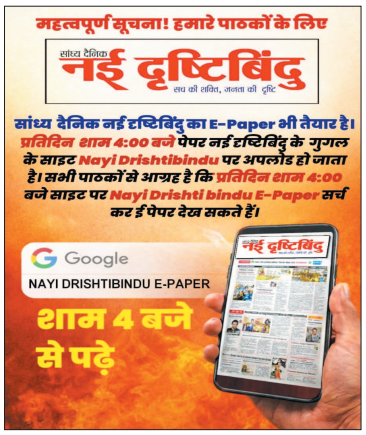

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100